संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 16
पृष्ठ 8
बुधवार
01 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- प्रेग्नेंसी में दवा से कम नहीं...

विचार- बदला हुआ भारतः क्रिकेट और...

खेल- भारत से हार के बाद अपने ही...

रक्षा मंत्री बोले-

आज की चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रणाली जरूरी, एकीकरण से बढ़ेगा आत्मविश्वास

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में साइबर हमलों, सूचना युद्ध और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के बीच बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली की जरूरत है। वह दिल्ली में आयोजित त्रि–सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेनाओं ने वर्षों के अनुभव से अपनी ऑडिट प्रणाली विकसित की हैं। लेकिन आज के एकीकृत अभियानों के दौर में जरूरी है कि ये प्रणाली एक–दूसरे जुड़ी हों। अगर हर सेना अलग–अलग काम करेगी, तो फैसला लेना मुश्किल हो सकता है। एकीकृत प्रणाली से सेनाओं

का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज हमें साइबर हमलों और सूचना युद्ध का खतरा है, इसलिए हमें इनके लिए मानक तय करने होंगे।

उन्होंने आगे कहा, जब हम मानक तय करने की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सेनाओं की अपनी पहचान खत्म हो जाएगी। हम हर सेना पर एक जैसा तरीका नहीं थोप सकते। हमें ऐसी प्रणाली बनानी होगी जो तीनों सेनाओं के काम को एकसाथ जोड़े। मुझे भरोसा है कि इस पर गंभीर चर्चा होगी और रक्षा मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश को इस दिशा में लगातार काम करने की जरूरत है, ताकि एक ऐसी आधुनिक और सक्षम प्रणाली तैयार की जा सके जो सभी सेवाओं के लिए उपयोगी हो।

उन्होंने कहा, इसके लिए हमें लगातार संवाद की जरूरत होगी। इस प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका बहुत अहम होगी। हर कदम पर यह स्पष्ट करना होगा कि यह सुधार क्यों जरूरी है। जब तक हर सेवा और हर कर्मचारी को संयुक्तता का महत्व समझ में नहीं आएगा, तब तक यह सफल नहीं हो सकता। हम दूसरे देशों के अच्छे अनुभवों से सीख सकते हैं, लेकिन हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। हमें अपनी जरूरतों के हिसाब से समाधान तैयार करना होगा।

रक्षा मंत्री ने थल सेना, वायु सेना और नौसेना के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश ऑपरेशनल तैयारियों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन अब अगला कदम त्रि–सेवा लॉजिस्टिक्स का एकीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें एक ऐसी डिजिटल प्रणाली बनानी चाहिए जो हर सेवा की जरूरतों का सम्मान करे और सभी के लिए जरूरी संसाधनों की स्थिति को साझा रूप से दिखा सके। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। हमें मिलकर संयुक्तता की ओर बढ़ना है। जब तीनों सेनाएं एक साथ आगे बढ़ेंगी, तभी हम बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना कर सकेंगे। राजनाथ सिंह ने देवी दुर्गा का उदाहरण देते हुए कहा, जब चुनौतियां बहुत बड़ी हों, तो एकता की ताकत अजेय बन जाती है। हमारी सेना ऑपरेशनल तैयारी कर रही है, वायुसेना और नौसेना भी इसी दिशा में काम कर रही हैं। लेकिन जैसे ही हम संयुक्त सेवा कमान की बात करते हैं, तो अगला कदम अखिल भारतीय त्रि–सेवा लॉजिस्टिक्स एकीकरण की दिशा में होना चाहिए।

फडणवीस कैबिनेट से कई अहम फैसले हुए पारित

महाराष्ट्र में व्यापक कैंसर देखभाल नीति को मिली मंजूरी

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए। राज्य कैबिनेट ने व्यापक कैंसर देखभाल नीति को मंजूरी दी है, जिसके जरिए मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए तीन–स्तरीय एकीकृत प्रणाली विकसित की जाएगी। सरकार ने बताया कि इस नीति के तहत पूरे राज्य के 18 अस्पतालों में विशेष कैंसर उपचार सुविधाएं शुरू की जाएंगी। इसके साथ ही, एक विशेष संस्था श्महाराष्ट्र कैंसर केयर, रिसर्च एंड एजुकेशन फाउंडेशन (महाकेयर फाउंडेशन)श बनाई जाएगी। इसे शुरू करने के लिए शुरुआती पूंजी के रूप में 100 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस नीति से हर जिले में कैंसर की शुरुआती पहचान और इलाज संभव हो सकेगा।

स्वास्थ्य के साथ–साथ रोजगार और निवेश बढ़ाने पर भी कैबिनेट ने जोर दिया। इस बैठक में महाराष्ट्र ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) पॉलिसी 2025 को मंजूरी दी गई। इसका उद्देश्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करना और राज्य को विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ाना है। फडणवीस ने कहा कि आने वाले समय में देश में करीब 5,000 जीसीसी केंद्र होंगे और इस नीति से महाराष्ट्र को अधिकतम लाभ मिलेगा। इससे राज्य में पांच लाख उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

इसके अलावा, कैबिनेट ने सोलर कृषि पंप और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं के लिए धन जुटाने की खातिर औद्योगिक, वाणिज्यिक और अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बिजली कर लगाने का फैसला किया। शासन और नीतिगत योजना को और प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने श्महाजियो–टेक कॉर्पोरेशनश की स्थापना को भी हरी झंडी दी। यह संस्था भौगोलिक और उपग्रह आधारित तकनीक का उपयोग करके सरकारी योजनाओं को और सटीक बनाएगी।

बिहार में एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी

लिस्ट में नाम चेक करने के लिए की गई ये व्यवस्था

पटना,एजेंसी। आज मतदाता सूची प्रारूप का अंतिम प्रकाशन कर दिय गया। चुनाव आयोग ने कहा कि आज यानी 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रारूप का प्रकाशन कर दिया गया है। मतदाता इस लिंक पर क्लिक कर अपना नाम चेक कर सकते हैं। करीब सात करोड़ 30 लाख से अधिक मतदाताओं की फाइनल सूची जारी की गई। खास बात यह है कि इस बार वोटर लिस्ट में करीब 14 लाख से अधिक नए मतदाता भी शामिल हुए। इनमें अधिकतर ऐसे हैं जिनकी उम्र 18 साल से अधिक है। इधर, चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को सार्वजनिक करने के साथ–साथ हर जिले के निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में भौतिक प्रति भी उपलब्ध करवा दी है। सभी राजनीतिक दलों को भी मतदाता सूची प्रारूप की अंतिम सूची उपलब्ध करवा दी गई।

निर्वाचन आयोग ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य की शुरुआत जून माह में की थी। इस कार्य से पहले 7 करोड़ 89 लाख मतदाता थे। इसके पुनरीक्षण कार्य के बाद कुल 65 करोड़ मतदाताओं के नाम कटे थे। इनमें 22 लाख से अधित मृत मतदाता, करीब 35 लाख विस्थापित मतदाता थे। वहीं करीब सात लाख लोग ऐसे मतदाता थे, जिनका नाम दो जगह दर्ज था। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन्हें दावा आपत्ति के

लिए 30 दिन का वक्त दिया था। मतदाता पुनरीक्षण कार्य के बाद जो वोटर लिस्ट प्रकाशित किए गए हैं, उनमें सभी जिलों के हजारों लोगों के नाम कट गए हैं।

मोदी ने लद्दाख की जनता से किया विश्वासघात, देशभक्त बेटे को मार दी गई गोली, राहुल बोले- ये शर्म की बात है

लेह,एजेंसी। लद्दाख में प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मौत के बाद अब यह मामला देश की राजनीति में गरमाने लगा है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख की जनता से विश्वासघात किया है और इस घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की है। मृतकों में कारगिल युद्ध के वीर योद्धा त्सेवांग थरचिन भी शामिल थे, जो शांतिपूर्ण प्रदर्शन का हिस्सा थे।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो साझा किया जिसमें थरचिन के पिता नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा शपिता सेना में, बेटा सेना में देशभक्ति इनके खून में है। फिर भी इस देशभक्त बेटे को भाजपा सरकार ने गोली मार दी, सिर्फ इसलिए क्योंकि वह लद्दाख के लिए और अपने अधिकारों के लिए खड़ा था।

उन्होंने कहा कि थरचिन के पिता की पीड़ा भरी आंखें पूछ रही हैं, क्या यही है देश की सेवा का इनाम? हम मांग करते

हैं कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। मोदी जी, आपने लद्दाख की जनता के साथ विश्वासघात किया है। वे अपने अधिकार मांग रहे हैं। उनसे संवाद करिए हिंसा और डर की राजनीति बंद करिए। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को भी घटना की तीखी निंदा की थी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लिखा कि थरचिन ने सियाचिन ग्लेशियर पर सेवा की थी और 1999 के कारगिल युद्ध में वीरता से लड़े थे।

पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर जोर-

नायडू ने सीतारमण से पूर्वोदय योजना के लिए माँगा विशेष फंड

नई दिल्ली,एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय वित्त मंत्री

निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार से पूर्वोदय योजना के तहत राज्य को वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूर्वी राज्यों के समग्र विकास के लिए केंद्र द्वारा शुरू की गई पूर्वोदय योजना के तहत बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश को पहले ही प्रमुख लाभार्थियों के रूप में पहचाना जा चुका है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि, औद्योगिक और बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा देकर पूर्वी क्षेत्रों की आर्थिक क्षमता को उजागर करना है, जिससे क्षेत्रीय असमानताओं को कम किया जा सके और समावेशी विकास को बढ़ावा मिले। संतुलित विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए, मुख्यमंत्री नायडू ने बताया कि राज्य सरकार ने क्षेत्रीय ण करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्वोदय के तहत इन परियोजनाओं के लिए लक्षित वित्त पोषण से न केवल उत्पादकता में सुधार होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और आय का स्तर भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री नायडू ने विशेष रूप से रेखांकित किया।

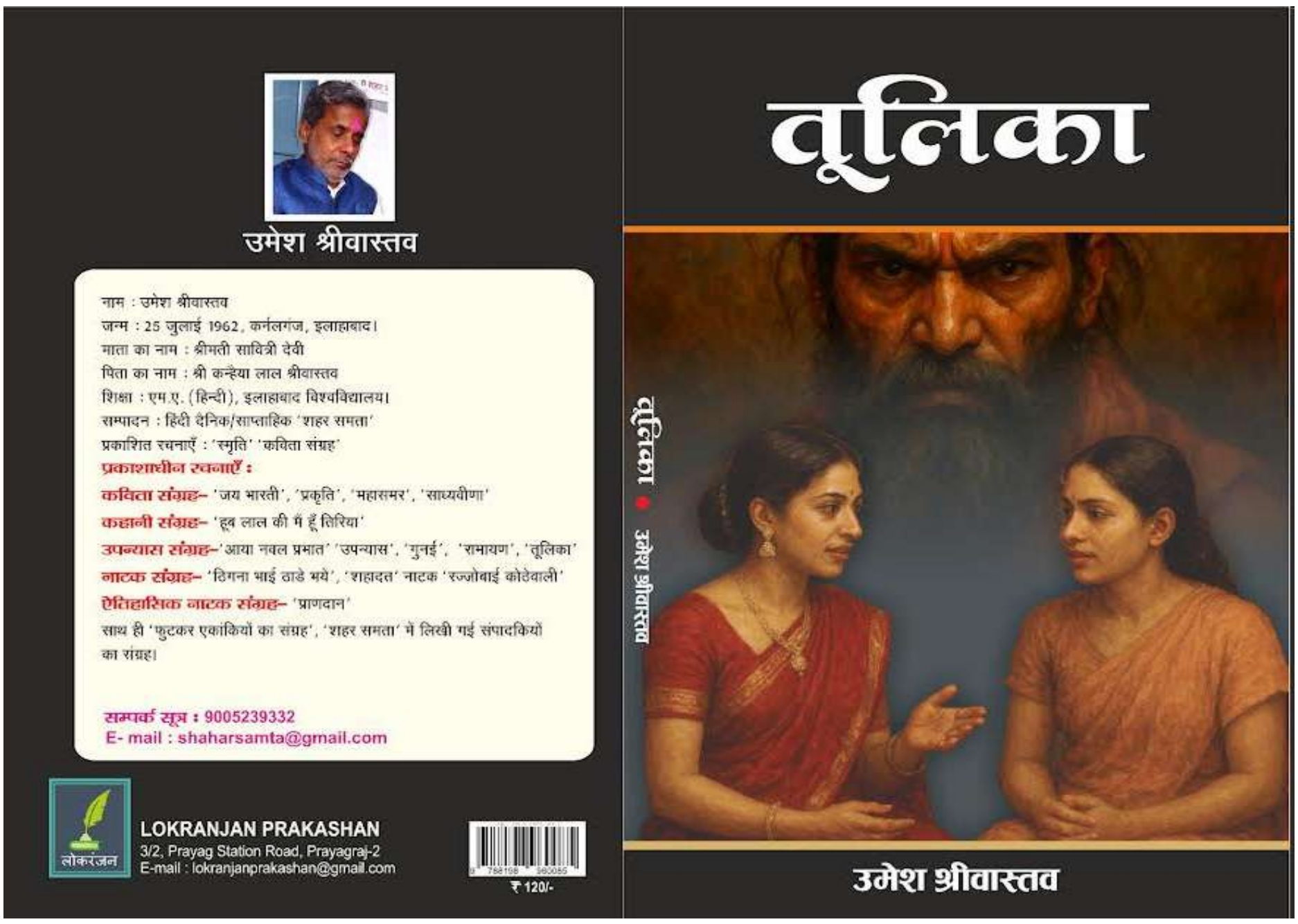

कालीबाड़ी मंदिर परिसर में चला स्वच्छता अभियान

प्रयागराज। स्वच्छ भारत मिशन को गति देते हुए आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने रविवार को मुट्ठीगंज स्थित कालीबाड़ी मंदिर परिसर व आसपास सफाई अभियान चलाया। मंदिर के प्रांगण और गलियों में झाड़ू लगाकर कूड़ा निस्तारण किया गया तथा स्थायी स्वच्छता व्यवस्था के लिए डस्टबिन भी लगाए गए। अभियान में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रंजना त्रिपाठी, डॉ. दामिनी श्रीवास्तव, डॉ. भारती देवी, डॉ. शिवानी व डॉ. सुधा कुमारी ने स्वयंसेविकाओं के साथ सक्रिय भागीदारी निभाई। शिक्षिकाओं और छात्राओं के इस संयुक्त प्रयास से मंदिर क्षेत्र स्वच्छ और आकर्षक बन गया।

मिशन शक्तिः अपराधी से डरे नहीं, तत्काल पुलिस को दें सूचना

प्रयागराज। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत पुलिस ने को स्कूल–कॉलेज से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया। डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज में कार्यशाला आयोजित कर छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अपराधियों से डरने की बजाय पुलिस को तत्काल सूचना दें, ताकि अपराधी को उसके कृत्य की सजा मिल सके। उन्होंने छात्राओं को स्वावलंबन, सुरक्षा, सम्मान की बातों को बताकर उनके मन में आत्मविश्वास उत्पन्न किया। उधर, एसीपी सिविल लाइंस कृतिका शुक्ला ने बृजबिहारी सहाय इंटर कॉलेज, शिवकुटी में छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर वूमेन पॉवर लाइन 1090, डायल 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, और साइबर क्राइम 1930 आदि के बारे में जानकारी दी।

प्रयागराज में चलती गाड़ी में लगी आग

प्रयागराज। जार्जटाउन थाने के समीप सोमवार की शाम लगभग चार बजे चारपहिया वाहन में अचानक आग लग गई। गाड़ी के इंजन से धुआं व आग की लपट देख चालक बलराम यादव शोर मचाते हुए गाड़ी से बाहर निकला। आग की लपटों को देख राहगीरों में भी खलबली मच गई। लोगों ने बुझाने का प्रयास किया लेकिन, आग विकराल होने लगी। आसपास के लोगों की सूचना पर फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग पर काबू किया। पुलिस के अनुसार, बैरहना निवासी सचिन सिंह का ड्राइवर बलराम यादव उनकी फोर व्हीलर लेकर जा रहा था। इसी बीच अचानक जार्जटाउन थाने से 100 मीटर पहले इंजन में आग लग गई।

स्वच्छता, पर्यावरण व महिला सशक्तिकरण के प्रति किया जागरुक

प्रयागराज। बाई का बाग स्थित नेता जी पार्क में स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत इको–फ्रेंडली, मिशन शक्ति 5.0 और क्लीन ग्रीन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत नागरिकों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता थीम पर आकर्षक रंगोली बनाई गई और लोगों से इको–फ्रेंडली उत्पादों का उपयोग करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक व थर्माकोल से बने सामान से परहेज करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, पार्षद किरण जायसवाल, कर निर्धारक अधिकारी संजय ममगई तथा सफाई एवं खाद्य निरीक्षक गोविंद बाजपेई आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

620 करोड़ से तैयार होगा नए यमुना ब्रिज के सामानंतर पुल

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 में प्रदेश सरकार की कैबिनेट ने जिन चार ब्रिजों को सहमति दी थी, उस पर अब अमल शुरू हो चुका ह। जिला स्तर पर सर्वे कर लिया गया है। बजट का प्रस्ताव भी शासन को भेज दिया गया है। मंजूरी मिलने के बाद काम तत्काल प्रभाव से शुरू कराया जाएगा। इस क्रम में नए यमुना ब्रिज के सामांतर पुल की लागत 620 करोड़ रुपये आंकी गई है। सर्वे में तय हो गया है कि ब्रिज 1543.05 मीटर लंबा होगा। जनवरी 2025 में महाकुम्भ मेला क्षेत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली कैबिनेट ने प्रयागराज में चार ब्रिजों को सहमति दी थी।

यमुना ब्रिज का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। नए यमुना ब्रिज के बगल बनने वाला यह पुल कुल छह लेन का होगा, जिसमें चार लेन वाहनों के लिए और दो लेन का फुटपाथ होगा। निर्माण कार्य सेतु निगम करेगा। यह भी भेजे गए प्रस्ताव पुल लंबाई लागत सलोरी–हेतापट्टी चार लेन पुल 3660 मीटर 964. 93 करोड़ रुपये दारागंज–झूंसी मार्ग, चार लेन पुल 2340.80 मीटर 844. करोड़रुपये करैलाबाग–मड़ौका चार लेन पुल 1170.40 मीटर 479. करोड़ रुपये महाकुम्भ के दौरान जिन सेतुओं को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी थी। उसका सर्वे का काम पूरा हो चुका है। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भी भेजा गया है। कुछ प्रोजेक्ट पर तो निकट भविष्य में ही काम शुरू हो जाएंगे। – मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी

आईजी आरपीएफ ने नैनी आरपीएफ पोस्ट पर मेटल डिटेक्टर का कराया ट्रायल

प्रयागराज। आरपीएफ की प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (आईजी) प्रयागराज रेनू पुष्कर छिब्बर ने सोमवार को नैनी आरपीएफ पोस्ट पर सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात इंस्पेक्टर से मेटल डिटेक्टर की स्थिति के बारे में पूछा और तत्काल उसका ट्रायल कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान आईजी ने सुरक्षा उपकरणों की समय–समय पर जांच और उनके सुचारू संचालन को बेहद जरूरी बताया। उन्होंने बल के सदस्यों को यह भी निर्देश दिया कि यात्रियों की सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक न हो और ड्यूटी के दौरान सतर्कता सर्वोपरि रखी जाए। इस मौके पर सीनियर डीएससी विजय प्रकाश पंडित भी मौजूद रहे। आईजी ने बताया कि जवानों के लिए सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें स्टाफ बेनिफिट फंड एवं रेलवे सुरक्षा कल्याण निधि से मिलने वाले आर्थिक सहायता के बारे में बताया गया। इस दौरान जवानों से शिकायत या कोई सुझाव पूछा लेकिन किसी ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई।

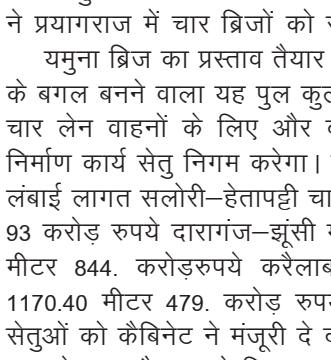

बीएसए हाजिर हों... बताएं कि किस नियम के तहत अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति को नियमित नहीं किया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुकंपा के आधार पर की गई नियुक्ति को नियमित करने में कथित मनमानी के गंभीर आरोपों पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए), एटा को तलब करते हुए उनसे पूछा है कि किस प्रावधान के तहत अनुकंपा नियुक्ति निश्चित वेतन पर की जा रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुकंपा के आधार पर की गई नियुक्ति को नियमित करने में कथित मनमानी के गंभीर आरोपों पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए), एटा को तलब करते हुए उनसे पूछा है कि किस प्रावधान के तहत अनुकंपा नियुक्ति निश्चित वेतन पर की जा रही है। याची की अनुकंपा के आधार पर हुई नियुक्ति को नियमित करने में क्या कानूनी अड़चनें आर रही हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की पीठ ने आशीष कुमार की याचिका पर दिया है।

याची आशीष कुमार सिंह ने चतुर्थ श्रेणी पद पर हुई

अनुकंपा नियुक्ति को नियमित करने और 15 सितंबर 2007 की प्रारंभिक नियुक्ति की तारीख से सभी परिणामी लाभ दिए जाने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि बीएसए एटा ने याची के समान मामले में दिनेश कुमार नाम के एक व्यक्ति का अपनी मर्जी के अनुसार उसकी सेवाओं को प्रारंभिक नियुक्ति की तारीख से नियमित कर दिया है। सभी परिणामी लाभ दिए। वहीं, याची को उसके वैध हक से वंचित किया जा रहा है।

याची को लगभग 18 साल बाद भी केवल 2550 रुपये के अल्प निश्चित वेतन पर जीवन यापन करने के लिए छोड़ दिया गया है। हाईकोर्ट ने पक्षों को सुनते हुए बीएसए एटा को 15 अक्तूबर 2025 को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट के समक्ष स्पष्टीकरण के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने रजिस्ट्रार अनुपालन व प्रतिवादी वकील को इस आदेश की तत्काल बीएसए एटा को प्रेषित करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट की टिप्पणी

बड़ी संख्या में अनुकंपा के आधार पर कई आश्रितों की निश्चित मानदेय पर नियुक्तियां की गई हैं। यह उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक की मृत्यु के उपरांत उसके आश्रितों की भर्ती नियमावली 1974 की अवहेलना है।

शिक्षिकों की फर्जी नियुक्ति में पूर्व उपसचिव समेत सभी के दर्ज होंगे बयान, नोटिस भेजने की तैयारी

प्रयागराज। संभल, बलरामपुर और मुजफ्फरनगर के एडेड कॉलेजों में फर्जी पैनल से नियुक्ति के मामले में विजिलेंस ने कार्रवाई तेज कर दी है। माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के पूर्व उपसचिव, तीन जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रधानाचार्य समेत सभी 48 लोगों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

संभल, बलरामपुर और मुजफ्फरनगर के एडेड कॉलेजों में फर्जी पैनल से नियुक्ति के मामले में विजिलेंस ने कार्रवाई तेज कर दी है। माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के पूर्व उपसचिव, तीन जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रधानाचार्य समेत सभी 48 लोगों के बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके लिए विजिलेंस की टीम सभी को नोटिस भेजने की तैयारी कर रही है।

आरोप है कि फर्जी तरह से पैनल बनाकर अभ्यर्थियों को अलग–अलग कॉलेज में सहायक अध्यापक के पद नियुक्ति दी है। विजिलेंस इंस्पेक्टर हवलदार सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया है। विजिलेंस की जांच में सभी दोषी पाए गए हैं। इनसे पूछताछ कर केस को आगे बढ़ाने के लिए विजिलेंस इनको नोटिस भेजने की तैयारी कर रही है।

विजिलेंस के अफसरों ने बताया कि 48 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। अगले एक सप्ताह के भीतर सभी को नोटिस भेज जाएगा। नोटिस रिसीव करते हुए सभी

विजिलेंस थाने में अपना बयान दर्ज करने आना होगा।

जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद चार्जशीट बनाई जाएगी। अगर कोई नोटिस के बाद भी नहीं आता है तो उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी निकल सकता है।

इन सभी को भेजा जाएगा नोटिस

विजिलेंस की जांच में गजेंद्र कुमार निवासी मुरादाबाद, प्रमोद कुमार शर्मा मुजफ्फरनगर, विवेक कुमार निवासी सिद्धार्थनगर, राजकुमार निवासी मेरठ, प्रियंका मिश्रा निवासी वाराणसी, विकास तिवारी निवासी वाराणसी, गोविंद राम निवासी गाजीपुर, मनोज कुमार आर्य निवासी मेरठ, पवन पाल निवासी मुरादाबाद, अरविंद कुमार यादव निवासी मेरठ, लालाराम यादव निवासी बहराइच, अंकित श्रीवास्तव निवासी गोंडा, राजबली यादव निवासी अयोध्या, सुमित यादव निवासी संभल, विशेष पाल सिंह निवासी बदांयू, विमला त्रिपाठी निवासी बलरामपुर, नित्यानंद शुक्ला निवासी लखनऊ, संजय तिवारी निवासी बलरामपुर, अतुल कुमार सिंह निवासी बलरामपुर, शकील अहमद निवासी बलरामपुर, सलिल सिंह उर्फ टीटू बलरामपुर, जगन्नाथ सिंह निवासी, संजीव कुमार गोयल निवासी संभल व कुमेश कुमार सरोज निवासी प्रतापगढ़ संभल शामिल हैं।

नोटिस में ये भी शामिल

वहीं ओम प्रकाश निवासी बाराबंकी, हरि प्रकाश वर्मा निवासी अंबेडकरनगर, राधेश्याम पाण्डेय निवासी बलरामपुर, गुरु प्रसाद तिवारी निवासी बलरामपुर, अशोक कुमार पाण्डेय निवासी बलरामपुर, राजेश कुमार सिंह निवासी बलरामपुर, मनीराम तिवारी निवासी बहराइच, रंजीत सिंह कुशवाहा निवासी बांदा, अमित कुमार श्रीवास्तव निवासी वाराणसी, संजय कुमार दुबे निवासी आजमगढ़, दीपिका सिंह निवासी मऊ, मृत्युजंय यादव निवासी वाराणसी, जितेंद्र कुमार कुशवाहा निवासी देवरिया, शिल्पी केसरी निवासी मिर्जापुर, कल्पना मौर्या निवासी मऊ, मितेश कुमार यादव निवासी वाराणसी, संतोष कुमार चंद्र निवासी गोरखपुर, राजकुमार दुबे निवासी बस्ती, धर्मेंद्र मिश्र निवासी देवरिया, सांगा तोमर निवासी गाजियाबाद, प्रेमलता निवासी गोरखपुर, मनोज कुमार सिंह निवासी बहराइच, रितु जैसवार निवासी गोरखपुर, पंकज यादव निवासी सीतापुर और नवल किशोर निवासी जौनपुर को नोटिस भेजा जाएगा।

एसएससी हेड कांस्टेबल के 509 पदों पर करेगा भर्ती, आवेदन शुरू, ये है अंतिम तारीख

प्रयागराज। आयोग की ओर से जारी विज्ञापन के अनुसार फार्म भरने में किसी तरह की त्रुटि हो गई है तो अभ्यर्थी 27 से 29 अक्तूबर के बीच संशोधन कर सकेंगे। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल के 509 पदों पर भर्ती करेगा। विज्ञापन जारी होने के साथ सोमवार से आवेदन शुरू हो गये। आवेदन की आखिरी तारीख 20 अक्तूबर है। फीस 21 अक्तूबर तक जमा होगी। वस्तुनिष्ठ आधारित परीक्षा दिसंबर व जनवरी में प्रस्तावित है। आयोग की ओर से जारी विज्ञापन के अनुसार फार्म भरने में किसी तरह की त्रुटि हो गई है तो अभ्यर्थी 27 से 29 अक्तूबर के बीच संशोधन कर सकेंगे। चयन लिखित परीक्षा, टाइपिंग टेस्ट एवं शारीरिक परीक्षण के आधार पर होगा। टाइपिंट टेस्ट 25 अंक का होगा। वहीं, कम्प्यूटर (वस्तुनिष्ठ) आधारित परीक्षा में एक–एक अंक के 100 सवाल पूछे जाएंगे। इसमें 20–20 सवाल सामान्य ज्ञान एवं गणित तथा 25–25 प्रश्न बुद्धि परीक्षण व सामान्य अंग्रेजी के होंगे। 10 सवाल कम्प्यूटर ज्ञान पर होंगे।

युवाओं को जर्मनी, जापान की भाषा सिखाएंगे एनएसडीसी के विशेषज्ञ

प्रयागराज। जापान और जर्मनी जैसे देशों में यहां के युवाओं की मांग बहुत हो रही है। पिछले कुछ दिनों में यह बात सामने आई है, लेकिन समस्या भाषा को लेकर आती है। अंग्रेजी तो फिर भी युवा जानते हैं, लेकिन उस देश विशेष की भाषा में उतने पारंगत नहीं होते हैं। ये बातें क्षेत्रीय सेवा योजन विभाग के अफसरों ने सोमवार को संगम सभागार में सीडीओ हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कहीं। जिस पर सीडीओ ने उन्हें भाषा की जानकारी देने के लिए नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) वाराणसी के विशेषज्ञों से बात करने के लिए कहा। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की जिला कार्यकारी समिति की प्रथम बैठक में तमाम बिंदुओं पर चर्चा हुई। सीडीओ ने प्राविधिक शिक्षण संस्थानों को ऐसी निजी कंपनियों के अनुसार छात्र–छात्राओं को तैयार करने के लिए कहा। विशेषकर जर्मनी, जापान, फ्रांस जैसे देशों की भाषा में यहां के युवा पारंगत नहीं है। जिससे समस्या आती है। इस दौरान श्रम विभाग के अफसरों के साथ जिले में प्रस्तावित लेबर अड्डों पर बात हुई। सीडीओ ने सेस जमा कराने के निर्देश दिए। बैठक में पीडी डीआरडीए भूपेंद्र सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी चंद्रकांत सिंह आदि मौजूद रहे। अगस्त में गठित हुई समिति, करेंगे काम उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की यह पहली बैठक थी। प्रदेश सरकार ने अगस्त में ही यह योजना शुरू की थी। इसका मुख्य उद्देश्य जिले में रोजगार देने वाली संस्थाओं का पंजीकरण करना और उनकी मांग के अनुरूप शैक्षणिक संस्थाओं से युवाओं को अपने पोर्टल पर पंजीकृत करना है।

भक्ति के प्रति आसक्ति और मानवता के प्रति प्रेरक है हमारे लोक पर्व : अशोक

करछना/हमारी सनातन मान्यताओं और लोक परंपरा के परिचायक,हमारे लोकपर्व समस्त मानव समाज को सत्य,साधना श्रद्धा,भक्ति,समरसता,भक्तिभाव के प्रति आशक्ति और मानवता के प्रति प्रेरक हैं।ऐसे लोकपर्व हमारे लोकजीवन में हमें मनुजता का भान कराते हुए अपनी पुरातन लोक संस्कृति से जोड़ते और जीवन लक्ष्य की ओर उन्मुख करते हैं। यह बातें नवरात्रि पर्व पर आकाशवाणी ,दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालक चर्चित हास्य कवि अशोक सिंह श्बेशरमश ने क्षेत्र के महेवा,पुरा कुंजल बैस में आयोजित दुर्गा पूजन समारोह पाण्डाल में देवी भक्तों के बीच कही।उन्होंने कहा कि विविध रूप धारण कर आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रतीक,शक्ति आराधना का महापर्व नवरात्रि हमारे जीवन में साधना,आराधना,पूजा–पाठ भक्तिभाव और मनुजता को जागृत करता है, वहीं असत्य का मर्दन कर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा लोकपर्व हमें धरती पर मानवता के उच्च आदर्शों के प्रति प्रेरित करता है। जगत जननी मां दुर्गा और भगवान राम के यह प्रेरकआदर्श उत्तरोत्तर हमारे लोक जीवन में प्रेरणा के स्रोत हैं।अपने ऐसे लोक पर्वों को मनाने,इन्हें अपने आचरण में जीने के लिए इन परंपराओं का कायम रहना जरूरी है। इस दौरान स्थानीय लोक कलाकारों ने भी भजन प्रस्तुतियों से खूब समा बांधी। मां के जयकारों के बीच भव्य आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजक अर्जुन शुक्ला ने सभी भक्तजनों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस मौके पर अनिल शुक्ला,विमल शुक्ला,संदीप शुक्ला, डॉ. योगेश सिंह,राजेश कुमार सिंह राजू,विमल कुमार सिंह,पंडित उमेश जी शुक्ल,पद्मराज सिंह,चंद्रमणि शुक्ला, देवमणि शुक्ला, अजय कुमार शुक्ला समेत बड़ी संख्या में देवी भक्त मौजूद रहे।

वनकामं के उत्तर प्रदेश की इकाई की काव्य गोष्ठी हुई सम्पन्न

प्रयागराज। आज महाअष्टमी के पावन पर्व पर वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की एक काव्य गोष्ठी वनाकाव्य मंच के दिल्ली इकाई की अध्यक्षा उमंग जाली शरीन के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। इसमें वरिष्ठ रचनाकार प्रेमा राय, शिवराम मिश्र मुकुल मतवाला, डाक्टर वीरेंद्र कुमार मिश्र, योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु, पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पंडित राकेश मालवीय मुस्कान और संयोजक संजय सक्सेना का सानिध्य रहा। इस अवसर पर सर्वप्रथम माँ सरस्वती की वंदना शहर की जानी–मानी कवयित्री रचना सक्सेना की वाणी वंदना से हुई। कार्यक्रम का शानदार संचालन शहर समता के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने किया। वही शहर के गणमान्य और लब्ध प्रतिष्ठित वरिष्ठ कवियों ने अपनी रचनाओं से पटल को गूंजायमान किया। इनमें प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि उमंग जोली शरीन, संरक्षक संजय सक्सेना, अध्यक्ष पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, वरिष्ठ कवि शिवराम मुकुल मतवाला, वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय, रचना सक्सेना, उमेश श्रीवास्तव, वीरेन्द्र तिवारी, योगेंद्र मिश्र विश्वबंधु, जया मोहन, कविता उपाध्याय, इंदु प्रकाश मिश्रा जौनपुरी, राजेश सिंह राज ने शानदार काव्य पाठ करके मंच में चार चाँद लगा दिया।

रोबोट पार्क बनाने को लेकर महापौर ने डीएम के साथ की चर्चा

प्रयागराज। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के साथ रोबोट पार्क बनाने को लेकर चर्चा की। महापौर ने जिलाधिकारी से रोबोट पार्क के लिए जमीन देने का आग्रह किया। मीटिंग के बाद महापौर ने बताया कि नैनी, झूंसी और फाफामऊ में रोबोट पार्क बनाने का विचार है। महापौर के अनुसार, पार्क को ऐसा बनाने की योजना है, जिसमें बच्चे विज्ञान से जुड़ी जानकारियां भी प्राप्त कर सकें। दशहरा बाद प्रशासन के सहयोग से जमीन की तलाश होगी।

कालीबाड़ी मंदिर परिसर में चला स्वच्छता अभियान

प्रयागराज। स्वच्छ भारत मिशन को गति देते हुए आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने रविवार को मुट्ठीगंज स्थित कालीबाड़ी मंदिर परिसर व आसपास सफाई अभियान चलाया। मंदिर के प्रांगण और गलियों में झाड़ू लगाकर कूड़ा निस्तारण किया गया तथा स्थायी स्वच्छता व्यवस्था के लिए डस्टबिन भी लगाए गए। अभियान में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रंजना त्रिपाठी, डॉ. दामिनी श्रीवास्तव, डॉ. भारती देवी, डॉ. शिवानी व डॉ. सुधा कुमारी ने स्वयंसेविकाओं के साथ सक्रिय भागीदारी निभाई। शिक्षिकाओं और छात्राओं के इस संयुक्त प्रयास से मंदिर क्षेत्र स्वच्छ और आकर्षक बन गया।

नलकूप मोटर 12.5 एचपी की, लेबल लगा 15 का

प्रयागराज। नलकूप में लगाई जाने वाली मोटर की क्षमता के साथ हो रहे खेल का मामला सामने आया है। नलकूप में 15 हॉर्स पॉवर की जगह 12.5 हॉर्स पॉवर की मोटर लगाई जा रही थी। स्थानीय लोगों ने इसे पकड़ा और नलकूप में नई मोटर डालने का काम रुकवा दिया। अंततरू लोगों के दबाव में जलकल ने नलकूप में 15 हॉर्स पॉवर की मोटर लगाई। अहमदगंज स्थित बूस्टर नलकूप में लगाने के लिए 15 हॉर्स पॉवर की नई मोटर मंगाई गई थी। मोटर के कवर पर 15 एचपी लिखा था। मोहल्ले के लोगों ने कवर खोलकर मोटर को देखा तो उस पर 12.5 एचपी लिखा मिला। कवर और मोटर पर क्षमता के दो आंकड़े देख लोगों ने नलकूप का काम रुकवा दिया। लोगों ने कहा कि 15 एचपी की जगह 12.5 एचपी की मोटर सप्लाई का लोड नहीं उठा पाएगी। मोहल्ले के नोमान ने बताया कि लगभग तीन दिन तक नलकूप में मोटर लगाने का काम रुका रहा। जलकल ने सोमवार को 15 एचपी क्षमता की मोटर मंगाकर लगाया। जलकल के इंजीनियर केपी भाष्कर ने बताया कि सप्लायर की गलती से कम क्षमता की मोटर आ गई थी। इसकी शिकायत की गई है।

महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का शुभारंभ

प्रयागराज। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) प्रयागराज द्वारा दिनांक 30.09.2025 को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण एवं स्वाभिमान हेतु महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का शुभारंभ महापौर नगर निगम प्रयागराज के करकमलों

द्वारा किया गया। जिसमें स्वयं सहायता समूह महिलाओं एवं महिला पथ विक्रेताओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से डॉक्टरों की टीम के द्वारा 70 महिलाओं के नेत्र परीक्षण एवं 307 महिलाओं के स्वस्थ परीक्षण किया गया। उक्त कैंप में श्री अरविंद राय, अपर नगर आयुक्त नगर निगम एवं श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव,परियोजना अधिकारी डूडा प्रयागराज व अन्य अधिकारीगण/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में लगभग 600 महिलाओं ने प्रतिभाग किया है।

लघु शस्त्र निर्माणी में कवियों ने किया काव्यपाठ

कानपुर। हिन्दी पखवाड़ा समापन पर लघु शस्त्र निर्माणी कालपी रोड के राजभाषा विभाग द्वारा कवि सम्मेलन एवं विचार गोष्ठी का भव्य आयोजन निर्माणी के मनोरंजन कक्ष में सोमवार 29 सितंबर 2025 को संपन्न किया।समारोह की अध्यक्षता महाप्रबंधक लघु शास्त्र निर्माणी श्री सुरेंद्र पति ने तथा संचालन कार्यक्रम के संयोजक कविवर दिनेश नीरज व हिन्दी अधिकारी तरुण कुलश्रेष्ठ ने संयुक्त रूप से किया।

मुख्य अतिथि श्री राजीव शर्मा मुख्य महाप्रबंधक निर्माणी ने सरस्वती के चित्र के दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथि श्री अनूप शुक्ला निर्माणी के सेवानिवृत्त अधिकारी व साहित्यकार ने हिंदी के बढ़ते वैश्विक फलक की चर्चा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। राजभाषा अधिकारी डीघ्ध्.सी.वर्मा ने कवियों का स्वागत किया। इस अवसर पर संपन्न कवि सम्मेलन में नवगीतकार जयराम जय,चांदनी पांडे,अंशुमान दीक्षित,राजेंद्र अवस्थी,जसप्रीत कानपुरी, दिनेश नीरज, तरुण कुमार कुलश्रेष्ठ ने गीत ग़ज़ल छंद तथा वैचारिक कविताओं का पाठ कर वातावरण को सरस बना दिया। चर्चित युवा साहित्यकार तथा सामाजिक एक्टिविस्ट मृदुल कपिल ने कहानी पाठ करके कार्यक्रम को पूर्णता प्रदान की।मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव शर्मा ने कवियों को सम्मानित किया तथा निर्माणी में हिन्दी माह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को उपहार तथा प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर हिन्दी में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विशेष रूप से आलोक कुमार सिंह,वीरेन्द्र कुमार झा,बी.के. गुप्ता,परवीन कुमार, प्रियंका झा,अमिता जैन,लता द्विवेदी,सर्वेश शुक्ला,श्रीमती विभा,शिव प्यारी,अवधेश दीक्षित,सुनील अवस्थी, रघुनायक प्रजापति, राजीव सिंह,सुमित तिवारी,अशोक सिंह,ज्ञान प्रकाश सिंह, के.के.तिवारी,माया आदि निर्माणी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

(1) गाड़ी सं. 09569/09570 राजकोट-बरौनी जं.-राजकोट साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

09569 राजकोट-बरौनी जं.			09570 बरौनी जं.-राजकोट	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	17:00	राजकोट	04:40	--
10:45	10:50	ईदगाह	07:55	08:00
11:30	11:35	दूण्डला	07:00	07:05
15:00	15:05	गोविंदपुरी	03:53	03:58
18:20	18:30	प्रयागराज	01:00	01:10
05:00	--	बरौनी जं.	--	14:40

राजकोट से- गाड़ी सं. 09569, (गुरुवार), दिनांक 02.10.2025 से 27.11.2025 तथा बरौनी जं. से- गाड़ी सं. 09570, (शनिवार), दिनांक 04.10.2025 से 29.11.2025 संरचनाः वाता. द्वितीय श्रेणी-01, वाता. तृतीय श्रेणी-17

(2) गाड़ी सं. 09427/09428 साबरमती-पटना-साबरमती विशेष रेलगाड़ी

09427 साबरमती-पटना			09428 पटना-साबरमती	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	18:10	साबरमती	09:55	--
09:30	09:35	ईदगाह	20:40	20:45
10:50	10:55	दूण्डला	19:19	19:24
12:08	12:10	इटावा	18:25	18:27
14:10	14:20	गोविंदपुरी	16:00	16:10
18:00	18:10	प्रयागराज	11:40	11:50
19:00	19:02	मिर्जापुर	10:15	10:17
01:00	--	पटना	--	04:40

साबरमती से- गाड़ी सं. 09427, (बुधवार), दिनांक 01.10.2025 से 26.11.2025 तथा पटना से- गाड़ी सं. 09428, (शुक्रवार), दिनांक 03.10.2025 से 28.11.2025 संरचनाः वाता. तृतीय श्रेणी-18

(3) गाड़ी सं. 09151/09152 उधना-जयनगर-उधना विशेष रेलगाड़ी

09151 उधना-जयनगर			09152 जयनगर-उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	06:45	उधना	17:45	--
05:10	05:12	मानिकपुर	17:50	17:52
07:05	07:10	प्रयागराज छिवकी	14:20	14:25
21:30	--	जयनगर	--	23:00

उधना से- गाड़ी सं. 09151, (मंगलवार), दिनांक 30.09.2025 तथा जयनगर से- गाड़ी सं. 09152, (बुधवार) दिनांक 01.10.2025 संरचनाः स्लीपर श्रेणी-8, सामान्य श्रेणी-11

(4) गाड़ी सं. 09097/09098 बांद्रा (ट.)-लुधियाना जं.-बांद्रा सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी

09097 बांद्रा (ट.)-लुधियाना जं.			09098 लुधियाना जं.-बांद्रा	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	21:50	बांद्रा (ट.)	10:20	--
16:00	16:05	मथुरा जं.	13:45	13:50
00:30	--	लुधियाना जं.	--	04:00

बांद्रा (ट.) से- गाड़ी सं. 09097, (रविवार), दिनांक 05.10.2025 से 30.11.2025 तथा लुधियाना से- गाड़ी सं. 09098, (मंगलवार), दिनांक 07.10.2025 से 02.12.2025 संरचनाः वाता.द्वितीय-01, वाता. तृतीय-13, स्लीपर श्रेणी-04, सामान्य श्रेणी-02

ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1789/25 FA

विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति का 10वाँ स्थापना तथा हिंदी दिवस समारोह धूमधाम से सम्पन्न

विश्वनाथ के साहित्यकार हरिप्रसाद उपाध्याय तथा मनीषा पाल 'मनस्वी' को क्रमशः मदन महतो स्मृति हिंदी सेवा साहित्य सम्मान और हीरा देवी स्मृति साहित्य सम्मान से सम्मानित

विश्वनाथ, असम। असम राज्य के अग्रणी शैक्षणिक स्वैच्छिक संस्थान तथा केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा स्वीकृत प्राप्त विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति ने आज अपना दसवां स्थापना दिवस के साथ हिंदी दिवस समारोह भी धूमधाम से मनाया। सर्वप्रथम विश्वनाथ चारिआलि शहर शांति निवास में दोपहर 12 बजे आयोजित सभा का अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह और सभा का संचालन सचिव संतोष कुमार महतो ने की। सभा शुभारंभ से पहले भारत के सुप्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग के स्मरण में एक मिनट का मौन व्रत और श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभा का शुभारंभ जवाहर नवोदय विद्यालय विश्वनाथ के प्राचार्य राजेश कुमार वर्मा ने मां सरस्वती के फोटो के समीप दीप प्रज्वलित कर किया। मंचासीन अतिथियों को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। इसके बाद सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा का उद्देश्य व्याख्या किया। सभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हरिप्रसाद उपाध्याय, फटीक बरा, गीता वर्मा, लोकनाथ शास्त्री, दीप प्रज्वलक राकेश कुमार वर्मा और समिति के कार्यकरी अध्यक्ष सूर्य नारायण पांडेय ने संस्थान के 10 वर्षों की कार्य की सराहना करते हुए हिंदी भाषा के ऊपर सारगर्भित विचार रखे। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से राजीव

गांधी विश्वविद्यालय , ईटानगर के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ० राजीव रंजन प्रसाद ने भी संस्थान के 10 वीं वर्षगांठ की शुभेच्छा प्रेषित करते हुए संस्थान के एक दशक में हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार में किए महत्वपूर्ण गतिविधियां की जानकारी दी और हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। संस्थान के सभी कार्यकर्ताओं को साधुवाद दी। इसके बाद दो स्मृति सम्मान भी प्रदान किया गया।सचिव संतोष कुमार महतो ने अपने माता – पिता के स्मृति में 2024–25 वर्ष के लिए सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान में चेलेंग चादर, प्रशस्ति–पत्र , स्मृति चिह्न और धनराशि के साथ सम्मानित किया। संस्थान के अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथियों ने "मदन महतो स्मृति हिंदी सेवा साहित्य सम्मानष् के प्रापकरू– वरिष्ठ साहित्यकार हरिप्रसाद उपाध्याय, विश्वनाथ (असम) को और "हीरा देवी स्मृति साहित्य सम्मान" के प्रापकरू– मनीषा पाल श्मनस्वीश कवयित्री, लेखिका तथा शिक्षिका, विश्वनाथ (असम)को प्रदान किया। तत्पश्चात् काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उषा देवी, सैयदा आनोवारा खातून, सुजीत कुमार शर्मा ,मनीष पाल श्मनस्वी श गीता वर्मा,मौसम कुमारी राय, नेहा कुमारी राय, अरुण साहनी आदि ने अपना स्वरचित कविता से रसास्वादन करवाया। सभी कवियों को फुलाम गामोछा, प्रशस्ति–पत्र– , केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा प्राप्त पुस्तक ष्देवनागरी लिपि एवं हिंदी वर्तनी का मानकीकरण ष और उपहार से सम्मानित किया। अंत में अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में सभी को शारदीय नवरात्र का शुभकामनाएं प्रेषित की और संस्थान के स्थापना काल के तमाम परिस्थितियों को उजागर करतें हुए संस्थान के उपलब्धियां गिनाई। सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन में सभी को हृदयगत से आभार व्यक्त की। राष्ट्रगान के साथ गरिमामय समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। इस मौके पर जवाहर नवोदय विद्यालय विश्वनाथ के कर्मचारी अमित कुमार मीणा, शिक्षिका दिपावली शर्मा , रानी रौनियार, समिति के सलाहकार सत्यप्रकाश गुप्ता, सुधन साहनी , शहनाज़ खातून आदि हिंदी प्रेमी उपस्थित थे।

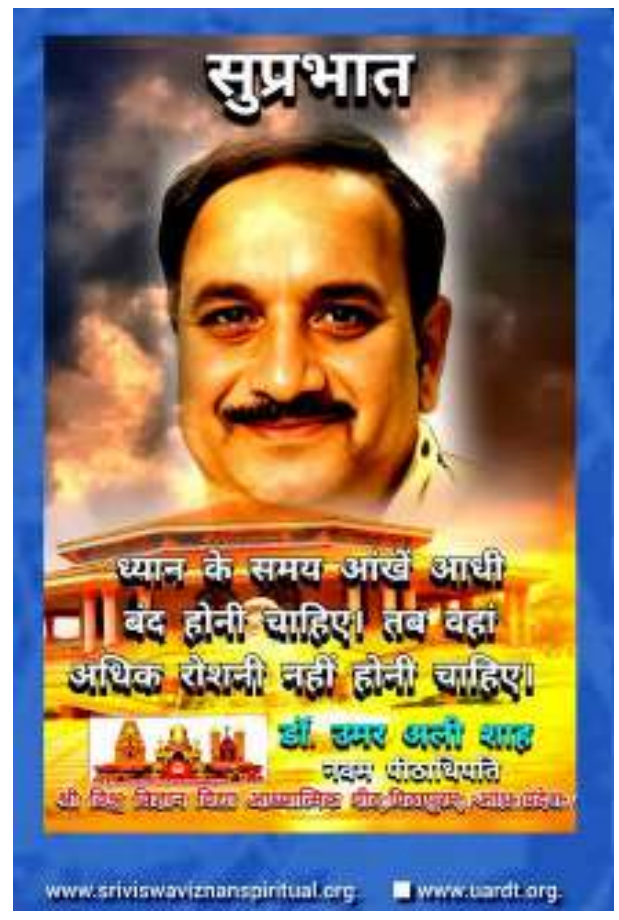

मोगरा रचे कहानी

(कुण्डलिया)

कलियों ने मुस्कान दी,हरि से कर अनुबन्ध।
शाम गमकने है लगी,भरती भोर सुगन्ध।
भरती भोर सुगन्ध, मोगरा रचे कहानी।
रात गहनतम स्वप्न की, जिसकी हुई दिवानी।
सुन लो कहें प्रदीप,बात प्रचलित सदियों से।
गढ़ा प्रेम इतिहास, मोगरा की कलियों ने।।

छूकर जिसके जिस्म को, हुई फ़िज़ाएँ मस्त।
उसकी खुशबू का कभी, सूर्य न होता अस्त।
सूर्य न होता अस्त, मोगरा कहते उसको।
आशा के अनुरूप, दे रहा खुशियाँ सबको।
सुन लो कहें प्रदीप,महक आँचल में भरकर।
करती महफ़िल गर्म, सभी के दिल को छूकर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बाघम्बरी क्षेत्र श्री रामलीला कमेटी

प्रयागराज। रामलीला के आठवें दिन का मंचन भव्यता और गहन भावनाओं से परिपूर्ण रहा। कथा की शुरुआत वानरराज सुग्रीव (सिद्धार्थ त्रिपाठी) के दरबार से हुई, जहां राग–रंग और उत्सव का वातावरण छाया हुआ था। इसी बीच लक्ष्मण जी (चंकी बच्चन) का तीव्र क्रोधपूर्ण प्रवेश हुआ। उन्होंने सुग्रीव को कठोर शब्दों में वचनभंग के लिए फटकारते हुए तुरंत प्रभु श्रीराम के कार्य में जुटने का आदेश दिया। लक्ष्मण की प्रचंड वाणी और उनके तेजस्वी रूप को देखकर दर्शकों के हृदय में भी रोमांच का संचार हो गया। इसके बाद कथा क्रम में हनुमान जी (विनोद कुमार यादव) का अनुपम पराक्रम मंचित हुआ। समुद्र लांघने का दृश्य, जिसमें मैनाक पर्वत ने उन्हें विश्राम देने का आग्रह किया, सुरसा ने उनके धैर्य और बुद्धि की परीक्षा ली तथा सिंहिका ने उन्हें रोकने का प्रयास कियाकृइन सबका जीवंत चित्रण देखकर पूरा वातावरण रोमांच से भर उठा। लंका में प्रवेश कर हनुमान जी का विभीषण से संवाद और फिर रावण दरबार में जाकर श्रीराम का संदेश सुनाना दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। इसके बाद अशोक वाटिका का अत्यंत मार्मिक प्रसंग प्रस्तुत हुआ, जहां माता सीता (शालिनी मिश्रा)

प्रभु श्रीराम की स्मृतियों में डूबी दिखाई दीं। हनुमान जी ने उनके सामने श्रीराम का संदेश रखा और आश्वस्त किया कि प्रभु उन्हें शीघ्र ही मुक्त करेंगे। सीता–हनुमान संवाद ने पूरे पंडाल को भावुक कर दिया।

इसके पश्चात् राक्षसों से युद्ध और बंधन से मुक्त होकर हनुमान जी ने अपने विशाल स्वरूप में प्रकट होकर लंका का दहन किया। अग्नि की ज्वालाओं से लंका जल उठी और रावण का अहंकार भस्म हो गया। इस अद्भुत दृश्य के साथ ही पूरा पंडाल "जय बजरंग बली" और "हनुमान जी की जय" के नारों से गूंज उठा। अंत में माता सीता ने अपने करुण भावों के साथ चूड़ा मणि हनुमान जी को सौंपा और प्रभु श्रीराम तक अपने संदेश पहुँचाने का आग्रह किया। इस भावुक दृश्य ने वातावरण को श्रद्धा और भक्ति से सराबोर कर दिया। कलाकारों के नामरूश्रीराम अमितेश श्रीवास्तव, लक्ष्मण चंकी बच्चन, सीता शालिनी मिश्रा, हनुमान विनोद कुमार यादव, सुग्रीव सिद्धार्थ त्रिपाठी, विभीषण आकाश अग्रवाल रावण वरुण कुमार, रामलीला का मंचन के निर्देशन आलोक नायर जी के साथ सह निर्देशक रवींद्र वर्मा का रहा। मंच संचालन में सहयोगरू ध्वनि संचालन प्रणय कुशवाहा, कॉस्ट्यूम व प्रॉप्स हेमंत सिंह, मंच व्यवस्था अमन, कोणार्क, सत्यम, रूप सज्जा अलका पाण्डेय, प्रकाश गौरव शर्मा, मल्टीमीडिया संचालन प्रशांत वर्मा, नृत्य निर्देशन आनंद त्रिपाठी, कमेटी के प्रमुख सदस्यरू अध्यक्ष ओम नारायण त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, संयोजक राम जी पाण्डेय, सदस्य अभिनव मिश्रा, चंदन भट्ट, दिलीप पाण्डेय जी के साथ अन्य साथी सदस्य उपस्थित रहे।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

(1) गाड़ी संख्या 03309/03310 धनबाद जं.- दिल्ली जं.-धनबाद जं. एक्सप्रेस विशेष

03309 धनबाद जं.-दिल्ली जं.			03310 दिल्ली जं.-धनबाद जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-	10:10	धनबाद जं. ▲	13:00	-
21:00	21:10	प्रयागराज जं.	23:15	23:25
00:10	00:20	गोविन्दपुरी	20:05	20:15
05:15	05:25	दूण्डला	14:55	15:05
09:15	-	▼ दिल्ली जं.	-	11:45

धनबाद जं. से- गाड़ी संख्या 03309, (मंगलवार एवं शनिवार), दिनांक 11.10.2025 से 29.11.2025 दिल्ली जं. से- गाड़ी संख्या 03310, (बुधवार एवं रविवार), दिनांक 12.10.2025 से 30.11.2025

गाड़ी संरचनाः वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी -18

(2) गाड़ी संख्या 03639/03640 गया जं.-दिल्ली जं.-गया जं. विशेष रेलगाड़ी

03639 गया जं.-दिल्ली जं.			03640 दिल्ली जं.-गया जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-	22:00	गया जं. ▲	11:30	-
05:20	05:30	प्रयागराज जं.	04:15	04:25
07:35	07:45	गोविन्दपुरी	02:05	02:15
17:00	-	▼ दिल्ली जं.	-	19:00

गया जं. से- गाड़ी संख्या 03639, (रविवार, मंगलवार, गुरुवार), दिनांक 12.10.2025 से 30.11.2025 दिल्ली जं. से- गाड़ी संख्या 03640, (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार), दिनांक 13.10.2025 से 01.12.2025

गाड़ी संरचनाः सामान्य श्रेणी-06, स्लीपर श्रेणी-14,वातानुकूलित तृतीय श्रेणी -01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01

नोट- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1786/25(MG)

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में दिनांक 30.09.2025 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, डॉ. संजय सिंह नेगी की अध्यक्षता में पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन किया गया।

दिनांक 18 सितंबर 2025 को राजभाषा विभाग द्वारा मुख्यालय के सभी विभागों में राजभाषा संपर्क अभियान चलाया गया जिसमें सभी से राजभाषा हिंदी में काम करने में आ रही समस्याओं के बारे में चर्चा की गई। दिनांक 19 सितंबर को स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया सभी प्रतियोगियों ने उत्कृष्ट रचनाओं के माध्यम से अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति का परिचय दिया। दिनांक 22 सितंबर 2025 को चित्र देखकर कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने कहानी के माध्यम से हम सभी को अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति से भी परिचित कराया। दिनांक 23 सितंबर 2025 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें वक्ता के रूप में डॉक्टर बृजेश खरे मुख्य कार्यालय अधीक्षक सतर्कता विभाग को आमंत्रित किया गया जिन्होंने सभी को पत्र लेखन से संबंधित विषय पर प्रशिक्षित किया। दिनांक 24 सितंबर 2025 को कर्मचारियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया इस प्रतियोगिता में कोर मुख्यालय के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिनांक 25 सितंबर 2025 को अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सूर, कबीर, तुलसी एवं बिहारी टीमों ने भाग लिया। दिनांक 26 सितंबर 2025 को साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वक्ता के रूप में डॉक्टर इंदु जौनपुरी जी को आमंत्रित किया गया जिन्होंने राजभाषा की राष्ट्रभाषा के रूप में चुनौतियां विषय पर अपना वक्तव्य दिया। संगोष्ठी में एक विशिष्ट अतिथि श्री शरद चंद्र श्रीवास्तव जी जो की एक कवि हैं उनका भी हमें सानिध्य प्राप्त हुआ जिन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से समां बांध दिया।

विश्व हृदय दिवस पर राधा रमण मिश्रा कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विशेष कार्यक्रम

प्रयागराज। राधा रमण मिश्रा कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व हृदय दिवस के अवसर पर सोमवार को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रिम रोज़ शिक्षा संस्थान, प्रयागराज से फ़रहान आलम, मोहम्मद अरशी ज़मा एवं ज़ाकिर अली खान विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री फ़रहान आलम ने छात्रों को हृदयाघात के दौरान सीपीआर की महत्ता से अवगत कराया और सही तकनीक का प्रदर्शन भी किया। उनके व्यावहारिक प्रशिक्षण से छात्र–छात्राओं ने जीवन रक्षक इस प्रक्रिया की बारीकियों को प्रत्यक्ष रूप से सीखा। संस्था के मैनेजर रावेंद्र मिश्रा ने विद्यार्थियों को हृदय रोग के खतरों के प्रति सचेत किया। वहीं कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. मयंक शर्मा ने हृदयाघात से बचाव एवं रोकथाम की वैज्ञानिक विधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. आदित्य यादव, निदेशक इंजीनियर रोहित मिश्रा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आकांक्षा मिश्रा, शानू मिश्रा, चंद्रप्रकाश मौर्य सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन रोनित चौरसिया ने किया। कॉलेज परिवार ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन में सहायक होते हैं बल्कि समाजहित में भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांकः डब्लू-34/ब्रिज/2025 दिनांक 29.09.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल के अधीन स्थित रेलवे ब्रिज संख्या-42 के नीचे आर.सी.सी. रोड निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस क्रम में ब्रिज के विपरीत दिशा की सड़क, जो झलवा से धूमनगंज की ओर जाती है, दिनांक 05.10.2025 से 14.10.2025 तक बंद (ब्लॉक) रहेगी। इस अवधि में सड़क पर आर.सी.सी. रोड निर्माण कार्य एवं आवश्यक curing कार्य सम्पन्न कराया जाएगा। उक्त व्यवस्था हेतु जिला प्रशासन से अनुमति प्राप्त है। नागरिकों से अनुरोध है कि कृपया असुविधा से बचने हेतु वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

सहायक मंडल अभियंता/लाइन
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1781/25 FA

उत्तर मध्य रेलवे

टेन्डर संख्या- 230-वि./क.वि./प्रयागराज/ई-टेन्डर/2025/581 दिनांक 26.09.2025

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जिनका विवरण निम्न प्रकार हैः

निविदा सं.: 230-क.वि.-कार्य-ठेका-972-2025

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के प्रयागराज-कानपुर खंड के बीच फैजुल्लापुर (FYZ), अथसराय (ASCE) और सथनारैनी (SNIE) स्टेशनों पर एफओबी के प्रतिस्थापन/ प्रावधान के कारण 25kV OHE में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागतः ₹ 1,58,55,126.83, बिड सुरक्षा राशिः ₹ 2,29,300.00, कार्य अवधिः 12 महीना, बोली प्रणालीः एक पैकेट, निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 17.10.2025, 14.00 बजे, निविदा खोलने की तिथि तथा समयः 17.10.2025, 15.00 बजे।

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 2। दिन पहले से उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

1773/25 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय........

कल्पना से परे है भारत में राजनैतिक अस्थिरता

नेपाल में पिछले दशकों में राजनीतिक अस्थिरता, दल–बदल, जातीय संघर्ष और आर्थिक असमानताओं ने देश को बार–बार अराजकता की स्थिति में डाल दिया। लगातार बदलती सरकारें और कमजोर प्रशासनिक तंत्र सामाजिक विरोध और आर्थिक अस्थिरता को जन्म देते रहे। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर विरोध, हिंसा और सार्वजनिक असंतोष देखने को मिला। कुछ विपक्षी दल तथा विदेशी ताकतें भारत के संदर्भ में यह सवाल उठाती रही है कि क्या हमारी परिस्थितियाँ भी ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर सकती हैं। ऐसी बात करना कल्पना से परे हैं क्योंकि भारत में एक बेहद मजबूत नेतृत्व पिछले एक दशक से ज्यादा समय से पूरी साक्षमता के साथ देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इसके अलावा भारत सामरिक तथा आर्थिक रूप से सशक्त शक्तिशाली एवं मजबूत राष्ट्र है। भारत में राजनीतिक स्थिरता का आधार मजबूत संवैधानिक और संस्थागत ढांचा है। भारतीय संविधान नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के साथ–साथ सत्ता के संतुलन और शक्तियों के स्पष्ट विभाजन के माध्यम से राजनीतिक संस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखता है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता नियमित और निष्पक्ष चुनावों को सुनिश्चित करती है, जबकि न्यायपालिका कानून के पालन और असंतोष की निगरानी के लिए एक स्थिर तंत्र प्रदान करती है। इन संस्थाओं की मजबूती के कारण भारत में सरकारों की अस्थिरता लंबे समय तक नहीं टिकती। सामाजिक और आर्थिक विविधता भारत में अत्यधिक है। भाषाई, जातीय, धार्मिक और सांस्कृतिक विविधताएँ कभी–कभी छोटे–मोटे राज्य स्तरीय तनाव का कारण बन सकती हैं। उदाहरण स्वरूप, किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून के विरोध और क्षेत्रीय आंदोलन यह दिखाते हैं कि असंतोष हमेशा मौजूद रहता है किंतु उसके समाधान तथा सुधारने के लिए मजबूत शासन तंत्र भारत के पास मौजूद है तो यह कोई बड़ी चिंता का विषय नहीं है और भारत का संघीय ढांचा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया इन संघर्षों को नियंत्रित करती हैं। संवैधानिक अधिकार और राज्यों तथा केंद्र के बीच संतुलन व्यापक स्थिरता बनाए रखते हैं। आर्थिक असमानता और बेरोजगारी विरोध उत्पन्न कर सकती हैं, लेकिन ये आम तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के भीतर ही सीमित रहते हैं और व्यापक अराजकता का रूप नहीं लेते। अंतरराष्ट्रीय प्रभाव और भू–राजनीति भी किसी देश की स्थिरता पर असर डाल सकते हैं। नेपाल की अराजकता में पड़ोसी देशों का प्रभाव रहा, लेकिन भारत, एक बड़ा और सशक्त देश होने के नाते, अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और मजबूत सुरक्षा तंत्र के कारण विदेशी हस्तक्षेप से अपेक्षाकृत सुरक्षित है। भारत की सैन्य क्षमता, आंतरिक सुरक्षा तंत्र और कूटनीतिक भूमिका देश की स्थिरता बनाए रखने में निर्णायक हैं।आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भारत की स्थिति भी नेपाल से भिन्न है। भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था, रोजगार के अवसर, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ और समृद्धि के प्रयास असंतोष को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। मीडिया, नागरिक समाज और संस्थागत निगरानी तंत्र लोकतंत्र में पारदर्शिता बनाए रखते हैं। इन सभी कारकों के कारण भारत व्यापक रूप से स्थिर बना रहता है और नेपाल जैसी राजनीतिक अराजकता से बचा रहता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत में नेपाल जैसी अराजकता की संभावना बहुत कम है। मजबूत संवैधानिक ढांचा, स्वतंत्र संस्थाएँ, लोकतांत्रिक प्रक्रिया, संघीय संतुलन और आर्थिक–सामाजिक तंत्र इसे सुरक्षित रखते हैं। हालांकि लोकतंत्र में असंतोष, सामाजिक संघर्ष और आर्थिक दबाव हमेशा संभावित जोखिम बन सकते हैं, पर भारत की स्थिरता का रहस्य यही है कि इन चुनौतियों का प्रबंधन संस्थागत ढांचे और संवैधानिक उपायों के माध्यम से किया जाता है। भारत में 1947 से अब तक 26 सामान्य चुनाव बिना किसी राष्ट्रीय अस्थिरता के संपन्न हुए हैं। भारत की जीडीपी 2024 में लगभग 4.5 ट्रिलियन न्व तक पहुँच चुकी है। बड़े आर्थिक ढांचे से असंतोष सीमित रहता है। भारत में 22 आधिकारिक भाषाएँ, 2000 जातियाँ और 7 प्रमुख धर्म हैं। इसका प्रबंधन संघीय और संवैधानिक ढांचे के माध्यम से होता है भारत के 1.4 मिलियन से अधिक सैनिक और व्यापक पुलिस तंत्र स्थिरता बनाए रखते हैं। ऐसी मजबूत स्थिति में भारत में नेपाल जैसी अस्थिरता की कल्पना करना समय जाया करना ही होगा।

बदला हुआ भारत: क्रिकेट और आत्मसम्मान का नया अध्याय

डॉ. प्रियंका सौरभ

इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में देखें तो 2025 की घटना कोई अलग–थलग घटना नहीं, बल्कि उसी लंबे सिलसिले का हिस्सा है जहाँ क्रिकेट हमेशा राजनीति के साए में खेला गया।

एशिया कप 2025 का अंतिम मुकाबला केवल क्रिकेट का रोमांचक खेल नहीं था। यह खेल से कहीं अधिक एक कूटनीतिक और सांस्कृतिक संदेश बनकर उभरा। भारत ने पाकिस्तान को न सिर्फ मैदान पर हराया बल्कि मैच के बाद की औपचारिकताओं में भी ऐसा रुखध अपनाया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष, जो पाकिस्तान से हैं, से ट्रॉफी स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। परिणाम यह हुआ कि पुरस्कार वितरण समारोह घंटों तक खिंचता रहा और अंततः अधूरा रह गया। यह घटना भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। सवाल केवल इतना नहीं है कि ट्रॉफी किसने थामी, बल्कि यह कि भारत ने यह कदम क्यों उठाया और इसके परिणाम क्या हैं। क्रिकेट को अक्सर ष्जेंटलमैन का खेलष कहा जाता है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के संदर्भ में यह खेल कभी केवल खेल नहीं रहा। यह दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव, सांस्कृतिक टकराव और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक बन चुका है। जब भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी लेने से इनकार किया, तो यह स्पष्ट संदेश था कि मैदान की जीत से आगे बढ़कर भारत अपने आत्मसम्मान को सर्वोपरि मानता है। एक तरह से यह "खेल और कूटनीति का उल्टा रूप" था। जहाँ खेल को आमतौर पर राजनीति को नरम करने का साधन माना जाता है, वहीं भारत ने खेल का मंच उपयोग करके राजनीतिक संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बार–बार यह दावा किया गया है कि भारत अब झुकता नहीं, बल्कि अपनी शर्तें तय करता है। इस संदर्भ में टीम इंडिया का रुखध उसी मानसिकता का विस्तार माना जा रहा है। भारत के लिए ट्रॉफी लेना केवल एक औपचारिकता था, लेकिन जब देने वाला वही देश हो जिससे लगातार आतंकवाद, घुसपैठ और सीमा पर तनाव चलता रहा है, तो उस औपचारिकता का महत्व बदल जाता है। यह नया भारत केवल आर्थिक और सैन्य शक्ति की भाषा में नहीं बोलता, बल्कि खेल के मंच पर भी राजनीतिक संदेश देने में पीछे नहीं है। इसके साथ ही घरेलू राजनीति में भी इस घटना का गहरा असर पड़ा। समर्थक वर्ग इसे मोदी युग का साहसिक कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष इसे खेल भावना पर चोट मानता है। हालांकि जनता में इसे व्यापक रूप से आत्मगौरव की जीत के रूप में देखा गया। हर साहसिक कदम के साथ आलोचना भी जुड़ती है। भारत के इस रुखध को लेकर कई सवाल उठे। आलोचकों का कहना है कि क्रिकेट का मूल उद्देश्य देशों के बीच दोस्ती और सौहार्द बढ़ाना है। जब आप ट्रॉफी लेने से इनकार करते हैं, तो आप खेल की आत्मा पर चोट करते हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घटना पर मिला–जुला रुखध अपनाया। कुछ ने इसे भारत की "दबदबा दिखाने की नीति" कहा, तो कुछ ने इसे "अहंकार" बताया। सवाल यह है कि क्या इससे भारत की "नरम शक्ति" को नुकसान होगा। साथ ही यह भी बहस छिड़ी कि क्या खिलाड़ियों ने यह कदम अपनी इच्छा से उठाया या बोर्ड और सरकार के दबाव में? अगर खिलाड़ी राजनीतिक निर्णयों में केवल मोहरे बन जाएँ, तो उनकी स्वतंत्रता और खेल की पवित्रता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट में विवाद कोई नई बात नहीं है। 1987 में जब पाकिस्तान के राष्ट्रपति जयपुर टेस्ट देखने आए थे, तब इसे "क्रिकेट कूटनीति" कहा गया। 1999 में कारगिल युद्ध से पहले चेन्नई टेस्ट में पाकिस्तान की जीत और उसके बाद की राजनीतिक हलचल को भी आज तक याद किया जाता है। 2008 में मुंबई हमलों के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला हमेशा के लिए रोक दी। 2023 में एशिया कप को लेकर स्थान विवाद खड़ा हुआ, जहाँ भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया और अंततः प्रतियोगिता "संयुक्त रूप" में आयोजित हुई। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में देखें तो 2025 की घटना कोई अलग–थलग घटना नहीं, बल्कि उसी लंबे सिलसिले का हिस्सा है जहाँ क्रिकेट हमेशा राजनीति के साए में खेला गया। इस घटना के दूरगामी परिणाम भी हो सकते हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद का मुख्यालय भले ही दुबई में है, लेकिन पाकिस्तान लंबे समय से इसमें प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करता रहा है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसकी सहमति के बिना कोई ढांचा नहीं चल सकता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तटस्थता का दावा करती है, लेकिन अगर बड़ी टीमों में से एक यानी भारत इस तरह के कदम उठाकर राजनीतिक संदेश देती है, तो परिषद को मजबूरी में अपना रुखध तय करना होगा। बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसी टीमें इस खींचतान के बीच कहाँ खड़ी होंगी, यह भी देखने वाली बात है। भारत का दबाव इन्हें प्रभावित करेगा, लेकिन लंबे समय में यह क्षेत्रीय सहयोग को कमजोर कर सकता है। भारत का यह रुख निश्चित रूप से "नए भारत" का प्रतीक है। यह भारत का वह चेहरा है जो आत्मगौरव को सर्वोपरि मानता है और औपचारिकता या परंपरा को उसके आगे झुका देता है। लेकिन इसी के साथ यह भी सच है कि खेल की आत्मा को राजनीति से बहुत अधिक जोड़ना कभी–कभी नुकसानदेह भी हो सकता है। क्या भारत ने सही किया? समर्थकों के लिए जवाब सीधा है, हाँ, क्योंकि यह आत्मसम्मान का सवाल था। आलोचकों के लिए जवाब है कृ नहीं, क्योंकि खेल का मंच राजनीति का अखाड़ा नहीं होना चाहिए।

स्वदेशी यानी अपनी शर्तों पर दुनिया से जुड़ना

–रोहित माहेश्वरी

भारत एक त्योहारों का देश है, हर महीने कोई–न–कोई त्यौहार होता है। लोग त्योहार पर जमकर खरीदारी करते हैं, इस खरीदारी असर देश की इकोनॉमी पर भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न अवसरों पर स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया है, ताकि देश को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उन्होंने लोगों से स्थानीय रूप से निर्मित वस्तुओं को बढ़ावा देने और ष्वोकल फॉर लोकलष के मंत्र को अपनाने का आग्रह किया है। पीएम मोदी लगातार स्वदेशी को प्रोत्साहित कर रहे हैं, ताकि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सके और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिल सके। अभी सामने दिवाली है, आप यहीं से बदलाव की शुरुआत कर सकते हैं। पीएम मोदी ने श्वोकल फॉर लोकलश को खरीदारी का मंत्र बनाने का आग्रह किया। उनका कहना है कि हमें हमेशा उन्हीं चीजों को खरीदना चाहिए जो देश में बनी हो और देश के लोगों ने बनाई हों। उन्होंने स्वदेशी की अपनी परिभाषा भी स्पष्ट की, जिसमें कहा गया कि ष्उत्पादन में लगा पसीना मेरे देशवासियों का हैष। वास्तव में, स्वदेशी वस्तुएं केवल उत्पाद ही नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, धरोहर और हमारे मान–सम्मान का प्रतीक हैं। बीती 27 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के झारसुगुड़ा से एक ऐतिहासिक पहल करते हुए भारत संचार निगम लिमिटेड यानी बीएसएनएल की पूरी तरह स्वदेशी 4ळ सेवा को देशभर में लॉन्च किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा संकल्प है चिप से लेकर शिप तक, हर चीज में भारत आत्मनिर्भर बने। बीती 28 सितंबर को अपने श्मन की बातश कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोहराया है कि देश को आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता स्वदेशी उत्पादों से ही होकर गुजरता है। आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री ने लोगों से आगामी त्योहारों को स्वदेशी उत्पादों के साथ मनाने और वोकल फॉर लोकल को अपना मंत्र बनाने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिकों से देश में उत्पादित उत्पाद खरीदने का संकल्प लेने का आह्वान किया। बीती 21 सितंबर को, पीएम मोदी ने भारतीयों से गर्व से कहने के लिए कहा, ष्मैं स्वदेशी खरीदता हूं।ष उन्होंने कहा कि हर घर और दुकान को आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनाना चाहिए। स्वदेशी को प्राथमिकता देने से स्थानीय कारीगरों और उद्योगों का समर्थन,आर्थिक विकास को बढ़ावा, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम, गुणवत्ता और विश्वसनीयता का लाभ मिलता है। स्वदेशी अपनाना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है। हर त्योहार पर बाजार में स्वदेशी और विदेशी सामान होते हैं, अधिकतर लोग सस्ते के चक्कर में विदेशी सामान खरीद लेते हैं। हालांकि अधिकतर मोबाइल समेत इलेक्ट्रॉनिक्स सामान अभी भी भारत में असेंबल होकर बिकता है, ऐसे प्रोडक्ट्स मेड इन इंडिया कैटेगरी में आते हैं। धार्मिक भावनाओं से जुड़े होने के कारण मूर्तियों का चीनी आयात व्यापक विरोध का विषय रहा है। दावा किया जा रहा है कि मूर्तियों में चीनी हिस्सेदारी 70–80 फीसदी से घटकर 10 फीसदी रह गई। लेकिन अभी भी लक्ष्मी–गणेश की चाइनीज मूर्तियां खूब बिकती हैं, खरीददार आप–हम जैसे लोग ही हैं। दिवाली और बाकी त्योहारों पर चाइनीज झालर खूब बिकती हैं, क्योंकि ये सस्ती होती हैं। लेकिन इसकी क्वालिटी बेहद खराब होती है। व्यापार संगठन कैट ने 500 से ज्यादा चीनी सामानों की बहिष्कार सूची में इसे भी रखा है। एक अनुमान के मुताबिक साल 2024 में दिवाली पर सजावटी सामानों जैसे एलईडी झालर, लाइट्स, और गिफ्ट आइटम्स का चीन से आयात करीब 10,000–15,000 करोड़ रुपये का रहा था। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स ने 2024 की दिवाली पर लगभग 4.25 लाख करोड़ रुपये का खुदरा कारोबार होने का अनुमान लगाया था। यह पिछले त्योहारी सीजन के मुकाबले एक रिकॉर्ड कारोबार था, क्योंकि लोगों ने चीनी सामानों की जगह भारतीय सामानों को प्राथमिकता दी। कुछ शुरुआती अनुमानों के अनुसार, 2025 में दिवाली के दौरान ई–कॉमर्स और ऑफलाइन दोनों तरह के खुदरा कारोबार में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण स्वदेशी की भावना का संचार, जीएसटी दरों में कटौती और अन्य धार्मिक और सामाजिक कारण भी शामिल हैं। रिसर्च फर्म रेडसीर के अनुमान के मुताबिक, 2025 में त्योहारी ई–कॉमर्स बिक्री 1.15 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकती है, जो कि पिछले साल के मुकाबले 20–25 फीसदी की वृद्धि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जीएसटी दरों में कटौती से बाजार में ग्राहकों का उत्साह बढ़ा है। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। आर्थिक सुधार से जुड़े कदम लगातार उठाए जा रहे हैं, वो दिन दूर नहीं है, जब भारत एक विकसित राष्ट्र कहलाएगा। विकसित राष्ट्र बनाने में हर एक भारतीय का योगदान होगा। हर किसी को अपने स्तर पर देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करना होगा। इस बीच भारत की तरक्की को कई देश पचा नहीं पा रहे हैं, भारत को रोकने के लिए साजिशें रची जा रही हैं। लेकिन यह नए दौर का भारत है, आत्मनिर्भर भारत है। ऐसे में जब 140 करोड़ लोग मिलकर देश को संवारने का काम करेंगे, तो विदेशी ताकतें भी टिक नहीं पाएंगी। 22 सितंबर से देश जीएसटी रिफॉर्म लागू हो गया है, जो कि आर्थिक तौर पर एक बड़ा कदम है। दिनचर्या की 90 फीसदी से ज्यादा चीजें के दामों पर इनका सीधा असर अब दिखाई देने लगा है। त्योहारों पर स्वदेशी वस्तुएं कैसे चुनें यह अहम सवाल है। नवरात्रि और दिवाली जैसे त्योहारों के लिए चीनी उत्पादों के बजाय मिट्टी के दीये, हस्तनिर्मित सजावटी सामान और भारतीय कारीगरों द्वारा बनाए गए अन्य सजावटी सामान खरीदने को प्राथमिकता देनी होगी। वहीं अपने प्रियजनों को उपहार देने के लिए भारतीय हस्तशिल्प, पारंपरिक कलाकृति और स्थानीय रूप से निर्मित उत्पादों को चुनें। त्योहारों के लिए खादी और हैंडलूम जैसे स्वदेशी कपड़ों को प्राथमिकता दें, जो भारतीय बुनाई और वस्त्र कला को दर्शाते हैं। वहीं सबसे खास बात मिठाई, नमकीन और अन्य खाद्य पदार्थों के लिए स्थानीय मिठाई की दुकानों और उत्पादकों का समर्थन करें। भारत एक श्रम आधारित अर्थव्यवस्था है। हमारे युवा पूरे विश्व में अपनी स्किल्स के लिए पहचान रखते हैं। आज समय आ गया है कि हम स्वदेशी उत्पादों को अधिक से अधिक अपनाएं और बढ़ावा दें। अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। त्योहारों के समय स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देना, श्आत्मनिर्भर भारतश और श्वोकल फॉर लोकलश जैसे अभियानों को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। यह न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, बल्कि जब हम भारतीय उत्पाद खरीदते हैं, तो छोटे और बड़े व्यवसायों को मदद मिलती है, नौकरियों के अवसर बढ़ते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि पूरा राष्ट्र स्वदेशी के प्रति वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध है। हमारी संस्कृति ही हमें स्वदेशी का भाव सिखाती है। हम देशी वस्तुओं के प्रति अपने अंर्तमन से जुड़े हुए हैं। यह भावना ही स्वदेशी उत्पादों को और बेहतर स्वरूप देने की प्रेरणा देती है। स्वदेशी का अर्थ दुनिया से अलग–थलग होना नहीं है, बल्कि एक मजबूत और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में अपनी शर्तों पर दुनिया से जुड़ना है। यह देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

एक और भगदड़, कई और मौतें

डॉ. प्रियंका सौरभ

देश में एक बार फिर भगदड़ की घटना ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है। शनिवार को तमिलनाडु के करूर में टीवीके की रैली थी, जिसमें अपने चहेते अभिनेता थलपति विजय को देखने हजारों लोग उमड़ पड़े। बताया जा रहा है कि इस रैली के लिए तमिलनाडु पुलिस ने 10 हजार लोगों की अनुमति दी थी, लेकिन 50 हजार लोग पहुंच गए। विजय करीब 6 घंटे की देरी से रैली में पहुंचे, इस बीच भीड़ बेकाबू होती गई। रैली के दौरान ही खबर फैली कि 9 साल की एक बच्ची गुम हो गई है, जब विजय ने इस बच्ची को खोजने की अपील अपने भाषण में की, तो अफरा–तफरी मच गई, जो अंततरू जानलेवा भगदड़ में तब्दील हो गई। कम से कम 39 लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल अस्पतालों में भर्ती हैं। इस भयावह घटना के बाद विजय न करूर में रुके, न घायलों के हालचाल लिए, बल्कि सीधे चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए। जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन देर रात को करूर पहुंचे और मृतकों को श्रद्धांजलि दी साथ ही घायलों से मुलाकात की है। स्टालिन ने एक जांच कमेटी भी गठित की है, ताकि इस भगदड़ का असली कारण सामने आए और दोषियों की पड़ताल हो सके। तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार ने मुआवजे की घोषणा तो की ही है, रविवार को विजय ने भी ऐलान किया कि वे मृतकों के परिजनों को 20–20 लाख देंगे। लेकिन हमेशा की तरह सवाल वही है कि क्या चंद लाख रुपयों से अकाल मौतों का इंसाफ किया जा सकेगा। याद कीजिए कि बंगलुरु में आईपीएल जीतने वाली रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर की विजय परेड के दौरान भगदड़ मची थी, इससे पहले हैदराबाद में अल्लू अर्जुन की फिल्म प्रदर्शन में ऐसी ही भगदड़ हुई थी। हाथरस में भोले बाबा नाम के प्रवचनकर्ता के सत्संग में भगदड़ मची थी। जिन लोगों को आम जनता अपने से ऊपर का दर्जा देती है, उन्हें महान मानती है, उनकी दीवानी होती है, उन लोगों की नजर में आम जनता असल में कीड़े–मकौड़ों से ज्यादा की हैसियत नहीं रखती है, यह कड़वी सच्चाई अब लोगों को समझ लेनी चाहिए। हिंदुस्तान का समाज व्यक्तिपूजक है और अपने उद्धार के लिए किसी चमत्कार, किसी देवदूत या भगवान की तलाश में रहता है। और इसी में उसका नुकसान होता जा रहा है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि तमिलनाडु में ऐसी त्रासदी कभी नहीं हुई और न ही अब भविष्य में होनी चाहिए। लेकिन उनके ऐसा कहने के बाद भी यह कहना कठिन है कि आगे ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। क्योंकि भीड़ प्रबंधन के लिए न कोई कड़े कानून बने हैं, न दोषियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है। बता दें कि शनिवार को विजय की दो रैलियां थीं। करूर से पहले नमक्कल में सुबह 9 बजे सभा थी, जिसमें भी विजय देर से करीब पौने तीन बजे पहुंचे। तब तक धूप में भूखे–प्यासे लोग थककर गिरने लगे थे। भीड़ बेकाबू हुई, कई घायल हुए। आयोजकों ने भीड़ प्रबंधन नहीं किया। इसके बाद विजय दोपहर पौने चार बजे नमक्कल से निकले गए। इसके बाद भी कोई सबक न लेते हुए विजय करूर की रैली में भी छह घंटे देरी से पहुंचे, जिसके कारण बढ़ती भीड़ को संभालना मुश्किल हो गया। अगर नमक्कल और करूर दोनों जगह विजय वक्त से पहुंचते तो शायद कई जिंदगियां बच जातीं। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपर स्टार थलपति विजय ने तमिलगा वेट्री कझगम यानी टीवीके नाम से नया राजनैतिक दल बनाया था, जिसे इसी महीने की 8 तारीख को चुनाव आयोग से मान्यता मिली है। विजय तमिलनाडु में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में उतरने का इरादा रखते हैं। वे सत्तारुढ़ डीएमके के विकल्प के तौर पर अपनी पार्टी को लोगों के बीच प्रस्तुत करना चाहते हैं। उनका कहना है कि अब वे फिल्मों से विदा लेंगे और पूरा जीवन लोगों के लिए राजनीति में लगा देंगे। इसी उद्देश्य से वे पूरे तमिलनाडु में जगह–जगह रैलियां कर रहे थे। बीते कुछ दिनों से थलपति विजय जिस तरह न केवल डीएमके बल्कि भाजपा के विरोध में भी बातें कर रहे थे और दावा कर रहे थे कि वे किसी भी तरह से भाजपा का समर्थन नहीं करने वाले हैं, उस वजह से उन पर काफी सुर्खियां बन रही थीं। दुष्प्रचार भी प्रचार का एक तरीका ही है, इस लिहाज से देखा जाए तो लगता है कि विजय को एकदम से खबरों के केंद्र में लाने के पीछे भाजपा का प्रचार तंत्र भी काम कर रहा था। क्योंकि मीडिया में विपक्ष को आमतौर पर उतनी जगह अब नहीं मिलती है, जितनी विजय को मिली। अपनी अभिनेता वाली लोकप्रियता को विजय सफलतापूर्वक राजनीति में भुना पाएं, तो यह इंडिया गठबंधन को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे विजय को सियासी फायदा मिले या न मिले, लेकिन भाजपा को लाभ हो जाता, क्योंकि तमिलनाडु में भाजपा का आधार कमजोर है और एआईएडीएमके के भरोसे वह चुनाव नहीं लड़ सकती। लिहाजा दिल्ली, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश की तरह तमिलनाडु में बी टीम खड़ा करना भाजपा के लिए जरूरी था। विजय इसी बी टीम का सबसे नया हिस्सा दिखाई दे रहे हैं। हालांकि जिस तरह से चुनावी पारी की शुरुआत में ही विजय का खेल बिगड़ा है, उसके बाद भाजपा की तमिलनाडु में आगे बढ़ने की उम्मीदें और कम हो गई हैं। लिहाजा अब आरोप–प्रत्यारोप का खेल शुरु हो गया है। टीवीके का कहना है कि वह मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै में बेंच में करूर रैली में हुई भगदड़ की स्वतंत्र जांच की मांग करेगी।

फिल्म का हर हिस्सा सपने से कम नहीं

जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर ने आज अपनी फिल्म श्होमबाउंडश के ऑस्कर अवॉर्ड्स में भारत की ओर से नामांकित होने पर खुशी जताई है। जान्हवी ने सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास पोस्ट शेयर किया है। जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा अभिनीत फिल्म श्होमबाउंडश साल 2026 में ऑस्कर अवॉर्ड्स में नामांकित हो चुकी है। फिल्म को ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर कैटेगरी के लिए सेलेक्ट किया गया है। इसी खुशी में जान्हवी कपूर ने फिल्म को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। जान्हवी कपूर का पोस्ट जान्हवी कपूर ने फिल्म श्होमबाउंडश को एक पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, श्यह फिल्म एक सपने जैसी रही है। इसकी कहानी, लोग, और हमारी टीम के हर सदस्य के लिए इसका खास महत्व रहा है। इस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ा इनाम है। शुरू से अब तक, यह फिल्म उन सभी लोगों का उत्सव है जिनकी प्रतिभा, अच्छाई और साहस को मैं बहुत प्यार और सम्मान करता हूं। यह फिल्म और इसका सफर उम्मीद की कहानी है। 26 सितंबर को सिनेमाघरों में!श सेलेब्स का पोस्ट मनीष मल्होत्रा और जोया अख्तर ने जान्हवी कपूर की इस पोस्ट पर लाल दिल वाला इमोजी बनाया है। नितांशी गोयल ने लिखा, श्बधाई होश, शनाया कपूर ने लिखा, श्हे भगवानश, एक्टर संजय कपूर ने लिखा, श्शानदार।श फिल्म श्होमबाउंडश के बारे में इस फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म श्होमबाउंडश विदेशों में आयोजित हुए कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में प्रदर्शित हो चुकी है। भारत में श्होमबाउंडश 26 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। श्होमबाउंडश एक ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन नीरज घायवान ने किया है। यह फिल्म बशारत पीर के 2020 के न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख पर आधारित है।हिंदी फिल्म श्होमबाउंडश को 2026 के अकैडमी अवॉर्ड्स में भारत की ओर से ऑफिशियल एंट्री मिली है । इस फिल्म को बेस्ट इंटरनैशनल फीचर कैटिगरी में रखी गई है। इस फिल्म नें लीड रोल में जान्हवी कपूर, इशान खट्टर और विशाल जेठवा जैसे कलाकार हैं। ये अनाउंसमेंट शुक्रवार, 19 सितंबर को एन चंद्रा ने कोलकाता में की। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चंद्रा ने कहा कि अलग–अलग भाषाओं की कुल 24 फिल्में ऑस्कर में देश को रिप्रजेंट करने की दौड़ में थीं। पीटीआई की एक रिपोर्ट में उन्होंने कहा, श्ये एक बहुत ही मुश्किल चॉइस थी। ये ऐसी पिल्में थीं जिन्होंने लोगों के जीवन को छुआ।श उन्होंने कहा, श्हम जज नहीं बल्कि कोच थे। हम ऐसे खिलाड़ियों की तलाश कर रहे थे जिन्होंने अपनी छाप छोड़ी हो।श 12 सदस्यों की सिलेक्शन टीम कमिटी में प्रड्यूसर, डायरेक्टर, राइटर, एडिटर और जर्नलिस्ट शामिल थे। क्या है फिल्म की कहानी यह फिल्म श्होमबाउंडश उत्तर भारत के एक छोटे से गांव के दो बचपन के दोस्तों की कहानी है, जो पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह नौकरी उन्हें वो सम्मान दिलाएगी जो उन्हें कभी नहीं मिला। हालांकि, जैसे–जैसे वे अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हैं, दबाव और स्ट्रगल उनकी दोस्ती में मुश्किलें पैदा करते हैं। टोरंटो फिल्म महोत्सव में सफलता ये अनाउंसमेंट टोरंटो फिल्म फेस्टिवल के 50वें एडिशन में फिल्म को मिले शानदार प्रतिक्रिया के बाद आया है। ज्श्थ पीपल्स चॉइस इंटरनेशनल अवार्ड में ये फिल्म दूसरी रनर–अप रही। इसे कोरियाई फिल्म श्नो अदर चॉइसश और श्सेंटिमेंटल वैल्यूश से हार मिली जिसने पहला रनर–अप जीता। फिल्म को लेकर नीरज बोले निदेशक नीरज घायवान ने इस फिल्म के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, श्यह उन लोगों के बारे में है जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है और उस शांत शक्ति के बारे में है जो एक ऐसी दुनिया में रहती है जो शायद ही कभी उनके लिए रुकती है।श उन्होंने कहा, श्और उम्मीद है कि यह फिल्म हमें सहानुभूति के साथ यह देखने में मदद करेगी कि हमें क्या अनदेखा करने के लिए तैयार किया गया है।श मार्टिन स्कॉर्सेसे ने श्होमबाउंडश की तारीफ की तारीफ की थी फेमस अमेरिकी फिल्ममेकर मार्टिन स्कॉर्सेसे ने श्होमबाउंडश की तारीफ की। फिल्म की टीम द्वारा शेयर किए गए एक ऑफिशियल नोट में, मार्टिन ने इस साल की शुरुआत में कान 2025 में इसकी स्क्रीनिंग से पहले श्होमबाउंडश की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था, श्मैंने 2015 में नीरज की पहली फिल्म मसान देखी थी और मुझे वह बहुत पसंद आई थी, इसलिए जब मेलिटा टोस्कन डू प्लांटियर (एक फ्रांसीसी निर्माता) ने मुझे अपनी दूसरी फिल्म का प्रोजेक्ट भेजा तो मैं उत्सुक हो गया। मुझे कहानी पसंद आई और मैं मदद करने को तैयार था। नीरज ने एक खूबसूरती से गढ़ी गई फिल्म बनाई है जो भारतीय सिनेमा में एक महत्वपूर्ण योगदान है। मुझे खुशी है कि इस साल कान में अन सर्टेन रिगार्ड के लिए फिल्म को ऑफिशियली चुना गया है।श इस फिल्म के लिए कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में 9 मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाई गईं। करण जौहर ने आभार जताया करण जौहर ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में आभार जताया और लिखा, श्जब ये लोगों की पसंद हो तो यह हमेशा खास होता है... होमबाउंड, हमारी फिल्म एक ऐसी कहानी है जिस पर हम सभी को गर्व है और इसे दुनिया भर में, भाषा या किसी भी बंधन से पार, प्यार, स्वीकृति और सराहना मिलते देखना कमाल है! हमें ये मंच देने के लिए /जपन्क्रिदमज का बहुत–बहुत धन्यवाद।श करण जौहर ने नीरज को कहा शुक्रिया इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार विनर फिल्म मेकर नीरज घायवान को श्होमबाउंडश का हिस्सा बनने का परमिशन देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा, श्पूरी टीम को बधाई – यह तो बस शुरुआत है। /दममतंर.हींलूंद, हमें अपने प्यार भरे मेहनत का हिस्सा बनने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद।श होमबाउंड भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार नीरज घायवान निर्देशित यह फिल्म भारत में 26 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

महायोद्धा राम का धमाकेदार टीजर आउट, दीवाली पर रिलीज होगी फिल्म

कॉन्टिलो पिक्चर्स और इल्युजन रीऐलिटी स्टूडिओज के बैनर तले बनी 3 डी एनिमेशन फिल्म महायोद्धा राम का जबरदस्त टीजर दशहरा से पहले ही फिल्म मेकर्स के द्वारा रिलीज कर दिया गया है। पौराणिक कथा रामायण और भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित इस फिल्म को दीवाली के समय 17 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

इस 3डी एनिमेशन फिल्म का कुल 1 मिनट का टीजर काफी अट्रैक्टिव और दमदार है। टीजर की शुरुआत लंकापति रावण और उसके साम्राज्य के एक सीन से होती है जिसमें रावण की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान पूछते हैं ष्बता राक्षस तुझे क्या चाहिए? और इसके उत्तर में रावण अट्टहास करते हुए कहता है सब चाहिए, टीजर की शुरुआत में ही यह दमदार डायलॉग, फिल्म देखने की उत्सुकता बढ़ाने वाला है। 3 डी एनिमेशन फिल्म श्महायोद्धा रामश में बॉलीवुड के नामचीन और मंझे हुए कलाकारों ने फिल्म के ऐनमेटेड कैरेक्टर्स को अपनी आवाज देकर जीवंत कर दिया है। अभिनेता कुणाल कपूर ने श्री राम के किरदार को, जिम्मी शेरगिल लक्ष्मण को और मौनी रॉय ने माता सीता के कैरेक्टर को अपनी आवाज से सजाया है तो वहीं दमदार अभिनेता मुकेश ऋषि, हनुमान जी को, अपनी विलेन रोल्स के लिए प्रसिद्ध ऐक्टर गुलशन ग्रोवर रावण को और अपनी अद्भुत आवाज के लिए जाने जाने वाले वेटरन ऐक्टर रजा मुराद महर्षि विश्वामित्र को अपनी अनोखी आवाज देंगे। इसके अलावा अन्य सभी महत्वपूर्ण कैरेक्टर्स को बॉलीवुड के एक से बढ़कर एक दिग्गज कलाकारों ने अपनी आवाज से सजाया है।

थामा का गाना तुम मेरे ना हुए रिलीज, रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना की केमिस्ट्री ने मचाया धमाल

मड्डॉक फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित हॉरर–कॉमेडी फिल्म थामा ने जहां अपने ट्रेलर से दर्शकों को चौंका दिया, वहीं अब इसका पहला गाना 'तुम मेरे ना हुए, ना सही' रिलीज कर दिया गया है। ये गाना न सिर्फ दिल को छूने वाला है बल्कि दिल तोड़ने वालों का एंथम भी बन चुका है। इस इमोशनल और इंटेंस ट्रैक को गाया है मधुबंती बागची और सचिन–जिगर ने, वहीं इसका म्यूजिक भी सुपरहिट म्यूजिक डायरेक्टर जोड़ी सचिन–जिगर ने ही तैयार किया है। बोल लिखे हैं मशहूर गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने। इस गाने में रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना की केमिस्ट्री एक अलग ही स्तर पर दिखाई देती है। रश्मिका एक कभी न देखे गए अवतार में नजर आ रही हैं, जो हर उस लड़की की आवाज बन गई हैं जो ब्रेकअप के बाद खुद को समेटती है। वहीं, आयुष्मान के साथ उनकी केमिस्ट्री स्क्रीन पर आग लगा रही है। गाने की कोरियोग्राफी में जहां इंटेंस इमोशन है, वहीं इसके डांस मूव्स भी दर्शकों को बांधे रखते हैं। यह गाना इमोशन, डांस, और म्यूजिक का एक परफेक्ट ब्लेंड है। मधुबंती बागची, जिन्होंने स्त्री 2 के हिट ट्रैक 'आज की रात' से धमाकेदार डेब्यू किया था, इस गाने से एक बार फिर दर्शकों के दिलों पर छा गई हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा– 'तुम मेरे ना हुए, ना सही' मेरे लिए खास है क्योंकि यह मुझे उस टीम के साथ फिर से जोड़ता है जिसने मुझे मेरा पहला बड़ा बॉलीवुड ब्रेक दिया था। थम्मा इस यूनिवर्स को नई ऊर्जा देता है और यह कंपोजिशन वाकई में शानदार है। सचिन–जिगर और अमिताभ सर के साथ काम करना एक म्यूजिकल ट्रीट है। मुझे उम्मीद है कि यह गाना दर्शकों को दिल से जुड़ेगा।"गाने को लेकर उत्साहित सचिन–जिगर ने कहा– थामा के लिए कंपोज करना क्रिएटिव रूप से चुनौतीपूर्ण तो है, लेकिन साथ ही घर जैसा भी लगता है, क्योंकि हम शुरुआत से इस हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा रहे हैं। 'तुम मेरे ना हुए' एक संपूर्ण गाना है दृ यह एक लव सॉन्ग है, डांस नंबर है, और साथ ही इमोशनल भी। मधुबंती की आवाज, अमिताभ के बोल और स्क्रीन पर जो विजुअल्स हैं, वह इस गाने को वाकई खास बनाते हैं।रश्मिका मंदाना, जो इस गाने में एक अलग ही अंदाज में दिख रही हैं, कहती हैंरू यह मेरी सबसे मजेदार शूट की गई गानों में से एक है। म्यूजिक, बीट्स, सेट दृ सबकुछ दिल से बना है। उम्मीद है आप सबको यह उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे इसे शूट करके आया। आयुष्मान खुराना, जो पहली बार इस हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा बने हैं, कहते हैं रश्मिका के साथ इस ट्रैक पर डांस करना बहुत मजेदार रहा। वह शानदार डांसर हैं एक्सप्रेसिव और इफर्टलेस।

बिग बॉस 19: अवेज दरबार के एविक्शन पर भड़के एल्विश यादव, कहा–ये बिल्कुल सही फैसला नहीं था

सलमान खान के लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 19 में इन दिनों जबरदस्त ड्रामा और उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में हुए वीकेंड का वार एपिसोड में शो के कंटेस्टेंट और मशहूर सोशल मीडिया स्टार अवेज दरबार को घर से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। अवेज के एविक्शन से जहां घर के बाकी सदस्य हैरान रह गए, वहीं बाहर बैठे उनके चाहने वालों को भी यह खबर बड़ा झटका दे गई। अवेज दरबार के एविक्शन पर बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर और यूट्यूबर एल्विश यादव ने भी अपनी राय रखी है। बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर और यूट्यूबर एल्विश यादव ने अवेज दरबार के एविक्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अवेज को शो से बाहर किए जाने को अनफेयर बताया। वीडियो में एल्विश ने कहा–अभी–अभी इवेंट खत्म हुआ और मुझे पता चला कि अवेज भाई घर से बाहर हो गए हैं। उस दिन गौहर भी घर में आई थीं, उन्होंने अवेज को गाइड किया था कि उन्हें कहां सुधार करना है और कहां ज्यादा नजर आना है। लेकिन उसी दिन उन्हें बाहर कर देना बिल्कुल सही फैसला नहीं था। वो अच्छा खेल रहा था और उसे शो में आगे तक रहना चाहिए था। एल्विश का यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो गया। अवेज के फैंस भी एल्विश की इस बात से सहमत नजर आए। अवेज की फैन फॉलोइंग करीब 30 मिलियन है, इसके बावजूद उनका शो से बाहर होना फैंस के लिए समझ से परे है। सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि इतनी बड़ी फैन बेस के बावजूद अवेज को पर्याप्त वोट क्यों नहीं मिल पाए। अवेज से पहले बिग बॉस 19 के घर से नगमा मिराजकर और नतालिया जानोसजेक भी बाहर हो चुकी हैं। लगातार एविक्शन से दर्शकों में शो को लेकर और ज्यादा उत्सुकता बढ़ गई है। अवेज दरबार के बाहर होने के बाद अब बिग बॉस 19 के घर में कुल 14 कंटेस्टेंट्स बचे हैं। इनमें शामिल हैंरूअभिषेक बजाज, फरहाना भट्ट, गौरव खन्ना, नेहल चुडासमा, जीशान कुरैशी, अमाल मलिक, अशनूर कौर, बसीर अली, प्रणित मोरे, तान्या मित्तल, नीलम गिरी, कुनिका सदानंद, शहबाज बदेशा और मृदुल तिवारी। शो में अब जैसे–जैसे कंटेस्टेंट्स की संख्या घटती जा रही है, वैसे–वैसे मुकाबला और भी दिलचस्प होता जा रहा है।

निक–प्रियंका की फैमिली फोटोज पर फैंस ने लुटाया प्यार, मालती के चुलबुले अंदाज ने जीता सबका दिल

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अक्सर अपने फैंस को अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक दिखाती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर सितंबर महीने से जुड़ी कुछ खास तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गए। इन तस्वीरों में प्रियंका अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी संग क्वालिटी टाइम बिताती नजर आ रही हैं। प्रियंका के इस पोस्ट में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाला फोटो उनकी बेटी मालती मैरी का रहा, जिसमें नन्हीं मालती डांस करती दिखाई दीं। उनके क्यूट डांस मूव्स और मासूम अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर लोग उनकी प्यारी अदाओं की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इस एलबम में प्रियंका अपनी दोस्त और एक्ट्रेस दीया मिर्जा के साथ भी नजर आईं। वहीं एक और फोटो में प्रियंका चोपड़ा एक्टर ईशान खट्टर के साथ पोज देती हुई दिखाई दीं। पोस्ट की कुछ तस्वीरों में प्रियंका और निक अपनी बेटी मालती के साथ दिखाई दिए। एक फोटो में मालती अपने पापा निक और ताऊ के साथ मस्ती करती नजर आईं। इतना ही नहीं, इन तस्वीरों में प्रियंका और निक की रोमांटिक केमिस्ट्री भी देखने को मिली। एक फोटो में निक, प्रियंका को माथे पर किस करते दिखाई दिए। इस प्यारे मोमेंट ने फैंस का दिल जीत लिया। वहीं कुछ तस्वीरों में मालती पेड़ से फल तोड़ती नजर आईं, जो उनके छोटे–छोटे एडवेंचर्स की झलक दिखाता है। पोस्ट शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा सितंबर में न्यूयॉर्क में उन लोगों के साथ पल बिताए जिनसे मैं प्यार करती हूं। ये वाकई जादुई था। फैंस एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं। खासकर मालती के डांस वीडियो पर सोशल मीडिया पर खूब प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। काम की बात करें तो प्रियंका को हाल ही में हॉलीवुड फिल्म ष्हेड्स ऑफ स्टेट में देखा गया है। इसके अलावा, वह एस.एस. राजामौली की अपकमिंग फिल्म एसएसएमबी 29 का हिस्सा हैं। साथ ही प्रियंका अपनी पॉपुलर वेब सीरीज सिटाडेल के दूसरे सीजन की शूटिंग में भी व्यस्त हैं।

जलकर काला हो गया है चाय का बर्तन, तो चमकाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

हर भारतीय नारी अपनी रसोई की हर एक चीज को शीशे के जैसे चमकाकर रखती है। लेकिन कभी–कभी उनकी लाख कोशिश के बाद भी वह चाय के कुछ जिद्दी व चिपचिपे बर्तनों को साफ करने में फेल हो जाती है। जिनका इस्तेमाल घर में कुछ ज्यादा ही होता है। क्योंकि चाय पीना तो हर किसी को पसंद है। दिन में न जाने कितनी बार घर में चाय बनती है। बार बार इसके प्रयोग से इसके नीचे का हिस्सा चलकर काला हो जाता है और इसके अंदर से अजीब सी गंदगी जमा हो जाती है जो लाख रगड़ने के बाद भी साफ नहीं होती। ऐसे में इन चिपचिपे बर्तनों को साफ करना एक चौलेंज बन जाता है। आप भी इस समस्या से परेशान है तो चिंता न करें। क्योंकि आज हम आपको चाय के बर्तनों को साफ करने के आसान से तरीके बताएंगे। जिनकी मदद से आप के बर्तन पहले जैसे चमक जाएगे। तो चलिए जानते है कुछ टिप्स के बारे में।

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

चाय के बर्तन के जिद्दी दाग साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडे का इस्तेमाल कर सकते है। इसके लिए सबसे पहले चाय बनाने वाले बर्तन के चारों तरफ सोडा डालकर कम से कम 5 मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। इससे धाग तो जाएंगे ही साथ में बर्तनों के अंदर जो जमा गंदगी है वह भी दूर हो जाएगी।

बर्तन पर रगड़े नींबू

दिनभर चाय के बर्तनों के प्रयोग से उसका काला और सड़ जाना लाजमी है। ऐसे में उस बर्तन को साफ करने के लिए नींबू का सहारा लें। चाय के गंदे बर्तन पर नींबू को रगड़े। आप नींबू क दो टुकड़े कर के भी चाय के बर्तन में रगड़ सकते है। इससे बर्तन का कालापन जल्दी दूर होगा और बाद में साफ पानी से इसे साफ कर लें।

सिरके का करें इस्तेमाल

चाय के काले बर्तनों को साफ करने के लिए सिरका और बेकिंग सोडा बेस्ट है। इसके लिए सबसे पहले गंदे बर्तन में सिरका और बेकिंग सोडा को 15 मिनट के लिए उसमें डाल दें। इसके बाद लिक्विड डिशवॉशर सोप या साफ पानी से उसे धो लें।

नमक से करें साफ

नमक खाने के लिए नहीं किसी चीज के जिद्दी दाग को हटाने में भी कारगर है। इसके लिए चाय के जले बर्तन में 2 चम्मच नमक डालें और फिर पैन को पानी से भरकर लिक्विड डिशवॉशर सोप डालकर हल्का गर्म करें। अब एक घंटे इसे ऐसे ही छोड़ने के बाद चम्मच से घिस लें। फिर जूने की मदद से बर्तन को साफ करे। बाद में साफ पानी से इसे धो लें।

ओखली–मूसल में छिपा है स्वाद और सेहत का राज, इस्तेमाल के समय न करें ये गलतियां

आज भी कई भारतीय घरों में जब चाय बनाई जाती है तो अदरक व इलायची को कूटने के लिए ओखली आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कई बार सब्जी में लहसुन, मसाला, अदरक व हरी मिर्च आदि डालने के लिए इसको भी ओखली से कूटते हैं। बता दें

कि वर्तमान में कई घरों में एल्युमीनियम, लोहे या फिर पत्थर की ओखली का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि आजकल के लोगों को ओखली सही तरीके से उपयोग करना नहीं आता है। जिसके कारण वह मसाले को सही से पीस नहीं पाते हैं। इस आर्टिकल के जरिए आज हम आपको ओखली के सही इस्तेमाल के बारे में बताने जा रहे हैं। यह हैक्स आपके बहुत काम आएंगे।

ऐसे करें इस्तेमाल

अक्सर लोगों को ओखली इस्तेमाल करते समय यह समस्या होती है कि इसमें मसाले अच्छे से कूट नहीं पाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो बता दें आप मूसल का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। मूसल को इस्तेमाल करने का एक तरीका होता है। इसका इस्तेमाल किसी हथौड़े की तरह नहीं बल्कि गोल–गोल घुमाकर ओखली में पड़े सामान को कूटा जाता है।

इस्तेमाल करें सूखी ओखली

वहीं ओखली में किसी चीज को कूटने के दौरान सबसे बड़ी गलती यह की जाती है की हम सूखी ओखली का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में मसाले अच्छे से पीस नहीं पाते। इसलिए आप ओखली में मसाला पीसने के लिए सबसे पहले उसमें चावल और नमक डालें। इसके बाद इसे अच्छे से दरदरा कूट लें। फिर ओखली में पानी डालकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद पानी को फेंक दें और चावल निकालकर उसमें मसाले आदि कूटें।

पत्थर की ओखली : कुछ लोग पत्थर की ओखली की जगह प्लास्टिक या मेटल की ओखली का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि प्लास्टिक या मेटल की ओखली में मसाले अच्छे से पिसते नहीं है। इसलिए आपको पत्थर की ओखली इस्तेमाल करनी चाहिए। पत्थर की ओखली का वजन ज्यादा होने के कारण इसमें मसाले महीने कुटते हैं। आप चाहें तो ब्लैक स्टोन वाली ओखली का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऐसे करें साफः पत्थर वाली ओखली की साफ–सफाई करने के लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि नींबू से भी ज्यादा अच्छा ऑप्शन बेकिंग सोडा है। बता दें कि कई बार ओखली की सतह पर गंदगी की मोटी परत जम जाती है। इसलिए आप बेकिंग सोडा से इसको आसानी साफ कर सकती हैं। ओखली को साफ करने के लिए सबसे पहले पानी और बेकिंग सोडा का मिक्स कर लें। फिर इस घोल को ओखली में डालकर कुछ समय के लिए रख दें। इसके बाद आप इसे साफ कर सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में दवा से कम नहीं म्युजिक मां के साथ बच्चे को भी मिलते हैं कई सारे हेल्थ बेनिफिट

म्यूजिक एक बेहतरीन मूड बूस्टर है। म्यूजिक की मधुर धुनों को सुनने से कुछ ही पलों में तनाव दूर हो जाता है। ये एक तरीके की थेरेपी भी है, जिसे पहले के जमाने में शारीरिक और मानसिक समस्याओं के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सिर्फ तनाव में ही नहीं ब्लकि हाल ही की कुछ स्टीडज में ये बात सामने आई है कि संगीत प्रेग्नेंसी में भी बड़े फायदे देता है। इससे दोनों में और अजन्मे बच्चे की सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचते हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान गाने सुनना

प्रेग्नेंसी में संगीत के संपर्क में आने से नवजात बच्चे में समग्र मानसिक, संज्ञानात्मक, व्यवहारिक, संवेदी, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण सुधार होते हैं। एक स्टडी में ये बात भी सामने आई है कि भारतीय शास्त्रीय संगीत और लाइट म्यूजिक प्रेग्नेंट महिला और उनके अजन्मे बच्चे की सजगत, प्रतिक्रियाओं, आंदोलन और मानसिक उत्तेजना में सुधार देखा, जबकि प्रेग्नेंट महिला में शांत और सकारात्मक प्रभाव प्रदान करता है।

पेट में बच्चा कब से म्यूजिक सुन सकता है

ये माना जाता है कि अजन्मे बच्चे दूसरी तिमाही में संगीत सुन सकते हैं। गर्भधारणा के नौ हफ्ते बाद बच्चे के कान का निर्माण शुरू हो जाता है और बच्चा बाहर की आवाजें सुन सकता है। एक प्रेग्नेंट महिला 25 से 26 सप्ताह प्रेग्नेंट होती हैं, तो आपका बच्चा बाहरी शोर और आवाज का जवाब देना शुरू कर सकता है। तीसरी तिमाही तक, आपका बच्चे आपकी आवाज से इतना परिचित होगा कि वह उसे तुरंत पहचान लेता है।

जानें प्रेग्नेंसी में म्यूजिक सुनने के फायदे

पर्सनालिटी डेवलपमेंट

ऐसा माना जाता है कि जब मां प्रेग्नेंसी के दौरान संगीत सुनती है तो वह आपके बच्चे के पर्सनालिटी को बनाने में मदद करता है, क्योंकि वह बड़ा तेज व्यक्ति बन सकता है। इस प्रकार, सुखदायक संगीत एक शांत और शांत आचरण को प्रोत्साहित कर सकता है, जबकि तेज संगीत आक्रमण लक्षणों को सामने ला सकता है।

तनाव होता है कम

तनाव को कम करने के लिए संगीत से बेहतर और कुछ नहीं है। ये आपके मन को भी हल्का करता है। यह बदले में, आपके बच्चे को और शांत और सुखी महसूस करवाता है। ये इस प्रकार प्रेग्नेंसी के दौरातन तनाव से निपटने का एक प्रभावी तरीका है।

श्रवण इंद्रियां बेहतर होती हैं

संगीत आपके बच्चे को लयबद्ध ध्वनि तरंगों सा लगता है। बच्चा इन पर ध्यान केंद्रति करता है और ये सजगता में सुधार करते हुए संज्ञानात्मक कौशल और श्रवण इंद्रियों को उत्तेजित करता है।

इस बात का रखें ध्यान

बता दें कि संगीत में एक विशेष लय होता है जिससे बच्चों को पहचानना और याद रखना आसान हो जाता है। यह माना जाता है कि बच्चे की सांस लेने से लेकर दिल की धड़कन की रफ्तार तक पर इससे फर्क पड़ता है । इसलिए, तेज या चिल्लाता हुआ सा संगीत आपके बच्चे के लिए उपयुक्त नहीं होगा और ये आपके स्ट्रेस और ब्लड प्रेशर को भी बढ़ा सकता है।

स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए महिलाएं क्या कुछ नहीं करती। कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स, घरेलू नुस्खे त्वचा पर इस्तेमाल करके उसे ग्लोइंग बनाना चाहती हैं परंतु इन सभी चीजों का इस्तेमाल करके भी स्किन में वैसा निखार नहीं आ पाता जैसा चाहिए होता है। आज आपको एक ऐसी चीज बताएंगे जो आपकी कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स दूर कर सकते हैं। एप्पल साइड विनेगर आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करेगा। तो चलिए आज आपको बताते हैं इसे स्किन पर इस्तेमाल करने के फायदे...

एंटी–एजिंग स्पोट्स होंगे दूर

कई शोधों में यह साबित हुआ है कि एप्पल साइड विनेगर में पाया जाने वाला अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड त्वचा के दाग–धब्बे दूर करने में मदद करता है। दाग–धब्बों पर आप इसका इस्तेमाल करके समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स की जगह चेहरे पर आप इनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

झूर्रियां होगी दूर

सेब का सिरका आपकी त्वचा को टाइट करने में मदद करता है। इसके अलावा चेहरे पर मौजूद झुर्रियों को दूर करने के लिए भी आप चेहरे पर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। यह त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है और बढ़ती उम्र में त्वचा पर होने वाली सैगिंग को भी ठीक करता है।

स्किन को ग्लोइंग बनाएगा एप्पल साइड विनेगर, कई और स्किन प्रॉब्लम्स भी होगी दूर

एक्ने और पिंप्लस से मिलेगा छुटकारा

स्किन का पीएच लेवल मेंटेन करने के अलावा एप्पल साइड विनेगर एक्ने दूर करने में भी मदद करता है। यह पिपंल्स के लिए एक टोनर की तरह कार्य करता है यह मुहांसों में मौजूद ज्यादा ऑयल, हटाकर स्किन को कोमल बनाता है। पिंप्लस को दूर करने के लिए इस घरेलू नुस्खे को इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्किन को करे डिटॉक्स

एप्पल साइड विनेगर में पाया जाने वाला एंटीबैक्टीरियल प्रॉप्ट्रीज पाई जाती है जो आपकी त्वचा को साफ करके क्लींज करने और त्वचा में मौजूद टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करते हैं। इसका इस्तेमाल करने से आपकी स्किन रिफ्रेश और साफ रहेगी।

चेहरे की सूजन होगी दूर

सेब का सिरका आपकी त्वचा से सूजन हटाने में भी मदद । इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेटरी तत्व सूजन और जले जैसी समस्याओं से राहत दिलवाती हैं। इसके अलावा किसी भी तरह के इंफेक्शन के कारण होने वाली जलन दूर करने में भी यह मदद करता है।

कैसे करें इसका इस्तेमाल?

दाग धब्बे, एंटी एजिंग लक्षण और डॉर्क स्पॉट्स दूर करने के लिए आप कॉटन पर एप्पल साइड विनेगर लगाएं। इसके बाद इसे सीधा चेहरे के निशानों पर लगाएं। इसके अलावा स्किन पर आप इसका टोनर के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। टोनर बनाने के लिए सेब के सिरके में 50: पानी मिलाएं। चेहरे पर अच्छे से लगाने के बाद कॉटन बॉल का इस्तेमाल करें। जब ये सूख जाए तो चेहरा धो लें।

इस बात का भी रखें ध्यान

चेहरे पर सेब का सिरका लगाने से पहले पैच टेस्ट जरुर कर लें।

. मुंहासों को कम करने के लिए सेब का सिरके का यदि आप इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक्सपर्ट की सलाह जरुर ले लें खासकर अगर आप पहले से ही त्वचा पर कोई दवाई लगा रहे है तो।

. कोशिश करें कि हफ्ते में 2–3 बार से ज्यादा एप्पल साइड विनेगर का इस्तेमाल न करें। ज्यादा इस्तेमाल से स्किन ड्राई हो सकती है।

एप्पल साइड विनेगर एक नैचुरल चीज हो जो आपकी स्किन की कई समस्याएं दूर कर सकता है।

करवाचौथ पर अपनी वाइफ को खुश करने के लिए दें ये 5 खास गिफ्ट्स

करवाचौथ का त्यौहार केवल महिलाएं ही नहीं, बल्कि पति–पत्नी दोनों के लिए खास होता है। महिलाओं के लिए यह व्रत पति की लंबी उम्र और खुशहाली के लिए रखा जाता है, वहीं पति के लिए यह मौका होता है अपनी पत्नी को खुश करने और उनके प्रति प्यार जताने का। अगर आप सोच रहे हैं कि इस करवाचौथ अपनी पत्नी को क्या गिफ्ट दें, तो हम आपके लिए 5 ऐसे खास विकल्प लेकर आए हैं, जिन्हें देखकर आपकी पत्नी बेहद खुश होगी।

गोल्ड ज्वैलरी

महिलाओं को गोल्ड ज्वैलरी हमेशा से पसंद रही है। करवाचौथ के मौके पर आप अपनी पत्नी को गोल्ड की रिंग, चेन, ब्रेसलेट या इयररिंग्स गिफ्ट कर सकते हैं। यह न केवल खूबसूरत और खास महसूस कराता है, बल्कि भविष्य में भी काम आता है। ज्वैलरी पहनकर आपकी पत्नी अपने अंदाज को और निखार सकती हैं और खास मौकों पर इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

स्मार्ट वॉच

आजकल स्मार्ट वॉच महिलाओं के लिए बहुत प्रैक्टिकल और हेल्दी गिफ्ट बन गई है। करवाचौथ पर अपनी पत्नी को स्मार्ट वॉच गिफ्ट करना उन्हें हेल्थ और फिटनेस के प्रति सजग बनाता है। इससे वह अपने डेली रूटीन, स्टेप्स, हार्ट रेट और कैलोरी बर्न ट्रैक कर सकती हैं। यह गिफ्ट उनके लिए काम का भी है और साथ ही आपके प्यार का प्रतीक भी बनेगा।

क्रेडिट कार्ड

अगर आपकी पत्नी हाउसवाइफ हैं या उन्हें शॉपिंग करना पसंद है, तो क्रेडिट कार्ड एक शानदार और यूनिक गिफ्ट हो सकता है। इससे उन्हें अपनी जरूरत की चीजें बिना किसी झिझक के खरीदने का अवसर मिलेगा। आपको बार–बार पैसे देने की जरूरत नहीं होगी और पत्नी को भी खुद पर भरोसा और आजादी महसूस होगी। यह गिफ्ट रिश्ते में भरोसे और सुविधा दोनों लाता है।

हेल्थ इंश्योरेंस

आज के समय में स्वास्थ्य का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। अपनी पत्नी को हेल्थ इंश्योरेंस गिफ्ट करना न सिर्फ एक यूनिक आइडिया है, बल्कि यह उनकी सुरक्षा और आपकी जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। यह गिफ्ट उन्हें मानसिक संतोष देगा कि आप उनकी सेहत की चिंता करते हैं। यह गिफ्ट लंबे समय तक यादगार रहेगा और आपकी देखभाल का सबूत भी बनेगा।

ट्रिप या हॉलिडे प्लान

अगर आप अपनी पत्नी को कुछ अलग और यादगार गिफ्ट देना चाहते हैं, तो उनके पसंदीदा स्थान की ट्रिप या हॉलिडे प्लान करें। यह गिफ्ट केवल भौतिक नहीं है बल्कि अनुभव और यादों से भरा होता है। इससे आप दोनों के लिए कुछ नया और रोमांचक अनुभव होगा। साथ ही यह मौका आपको एक–दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का भी मिलेगा। करवाचौथ केवल व्रत का त्योहार नहीं, बल्कि अपने प्यार और ख्याल को जताने का मौका है। गोल्ड ज्वैलरी, स्मार्ट वॉच, क्रेडिट कार्ड,

हेल्थ इंश्योरेंस और ट्रिप जैसे गिफ्ट्स न सिर्फ पत्नी को खुश करेंगे, बल्कि उन्हें आपके प्यार और देखभाल का एहसास भी दिलाएंगे। इस बार अपने गिफ्ट के जरिए अपनी पत्नी को यादगार और खास अनुभव दें।

संक्षिप्त

दिल्ली एयरपोर्ट पर ई-अराइवल कार्ड सुविधा आज से

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हवाई अड्डे पर 1 अक्तूबर से विदेशी यात्रियों के लिए ई–अराइवल कार्ड सुविधा उपलब्ध होगी। यह एक ऐसी प्रणाली है, जो अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को मैनुअल पेपर–आधारित कार्ड की जगह अपनी आगमन जानकारी ऑनलाइन भारने की अनुमति देगी। दिल्ली हवाई अड्डे के संचाक ने बताया कि यह सुविधा

यात्रियों के लिए आगमन प्रक्रिया को आसान बनाएगी, दक्षता में सुधार करेगी, कतारों को कम करेगी और कागज के उपयोग में कमी लाकर एयरपोर्ट के स्थायित्व लक्ष्यों को समर्थन प्रदान करेगी। बता दें कि थाईलैंड, इंडोनेशिया, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और मलेशिया के हवाई अड्डों पर भी ऐसी ही सुविधाएं उपलब्ध हैं। एअर इंडिया और एयरबस ने हरियाणा में एक संयुक्त पायलट प्रशिक्षण सुविधा की स्थापना की है। यह ।320 और ।350 परिवार के विमान पायलटों को प्रशिक्षित करेगी। एयर इंडिया की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, एयर इंडिया एविएशन ट्रेनिंग अकादमी में स्थापित यह उन्नत प्रशिक्षण केंद्र अगले दशक में 5,000 से अधिक नए पायलटों को तैयार करेगा। बराबर हिस्सेदारी वाली इस संयुक्त सुविधा का क्षेत्रफल 12,000 वर्ग मीटर है और इसमें 10 फुल फ्लाइट सिमुलेटर, आधुनिक क्लासरूम और ब्रिफिंग रूम शामिल हैं। इस केंद्र का उद्घाटन नागरिक उड्डयन मंत्री के रम्मोहन नायडू ने मंगलवार को किया।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता 1 अक्तूबर से लागू होगाय अगले 15 वर्षो में 100 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता बुधवार से लागू होगा। इसके तहत ईएफटीए के देशों ने भारत को 15 साल में 100 अरब डॉलर के निवेश का भरोसा दिया है। इसके अलावा स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे व पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई

उत्पादों पर कम या शून्य शुल्क की अनुमति दी गई है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। इस पर 10 मार्च, 2024 को हस्ताक्षर किए गए थे। घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट और घड़ियां कम कीमत पर उपलब्ध होंगी। भारत व्यापार समझौते के तहत इन वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर देगा। समूह ने 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है– समझौते के कार्यान्वयन के बाद 10 वर्षों के भीतर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा अगले पांच वर्षों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर – जिससे भारत में दस लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह भारत की ओर से अब तक साइन किए गए किसी भी व्यापार समझौते में अपनी तरह की पहली प्रतिज्ञा है। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापार व आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) के नाम से जाना जाता है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को दोहराया है कि टीईपीए 1 अक्टूबर से लागू होगा। भारत अपनी टैरिफ लाइनों या उत्पाद श्रेणियों का 82.7 प्रतिशत प्रदान कर रहा है, जो ईएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत है, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोना है। डेयरी, सोया, कोयला और संवेदनशील कृषि उत्पादों जैसे क्षेत्रों को बहिष्करण सूची में रखा गया है तथा इन वस्तुओं पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी जाएगी। सेवा क्षेत्र में भारत ने ईएफटीए को लेखांकन, व्यवसाय सेवाएं, कंप्यूटर सेवाएं, वितरण और स्वास्थ्य जैसे 105 उप–क्षेत्रों की पेशकश की है। दूसरी ओर, देश ने स्विट्जरलैंड से 128 उप–क्षेत्रों में, नॉर्वे से 114, लिकटेंस्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 उप–क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। इन क्षेत्रों में भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा उनमें कानूनी, दृश्य–श्रव्य, अनुसंधान व विकास, कंप्यूटर, लेखांकन और लेखा परीक्षा शामिल हैं।

आईएमएफ और पाकिस्तान की बैठक शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। पाकिस्तान की आर्थिक टिम और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) मिशन के बीच औपचारिक बैठक शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह बैठक सात अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम और 1.1 अरब डॉलर की लचीलापन और स्थिरता सुविधा के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की मिशन प्रमुख इवा पेत्रोवा के नेतृत्व में आईएमएफ की टीम ने सोमवार को वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के नेतृत्व वाले पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस सप्ताह पाकिस्तान में आईएमएफ मिशन ने औपचारिक रूप से अपनी समीक्षा बैठक की शुरुआत की, जिसमें मुख्य आर्थिक हितधारकों ने हिस्सा लिया। बैठक में पाकिस्तान के स्टेट बैंक के गवर्नर, वित्त सचिव और फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (FBR) के अध्यक्ष शामिल हुए। मिशन लगभग दो सप्ताह तक पाकिस्तान में रहेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, जून 2025 तक कार्यक्रम का प्रदर्शन मिश्रित रहा है, जबकि इस साल दिसंबर तक अगले समीक्षा अवधि की शुरुआत भी उम्मीद के अनुरूप नहीं रही, खासकर राजस्व संग्रह के मामले में। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों पक्षों को अब संवाद के दौरान सुधारात्मक उपायों पर सहमति बनानी होगी ताकि अगले द्विवर्षीय लक्ष्यों को पूरा किया जा सके। जून 2025 तक बिजली क्षेत्र के मानक आसानी से पूरे किए गए, लेकिन राजस्व संग्रह पिछले वित्त वर्ष में लगभग 1.2 ट्रिलियन रुपये, जो GDP का लगभग 1 प्रतिशत है कम रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में भी इसी तरह की कमी दर्ज की गई है। आईएमएफ मिशन पाकिस्तान में रहते हुए अधिकारियों के साथ आगे की चर्चा भी करेगा, ताकि दिसंबर 2025 के अंत तक निर्धारित लक्ष्यों को तेजी से लागू करने को बढ़ावा दिया जा सके।

भारत से हार के बाद अपने ही खिलाड़ियों पर बौखलाया पीसीबी, एनओसी निलंबित किया, विदेशी लीग में खेलने पर रोक

करांची,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (च्ब्ठ) ने एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत से हार के एक दिन बाद अपने खिलाड़ियों के नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (छब्व्) निलंबित कर दिए हैं। यह जानकारी पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स और वहां के खेल पत्रकार फैजान लखानी द्वारा साझा की गई। एनओसी के निलंबन का मतलब है कि अब राष्ट्रीय खिलाड़ियों को किसी भी विदेशी टी20 या फ्रेंचाइजी लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी।

पाकिस्तानी न्यूज पोर्टल समां टीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पीसीबी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सैयद समीरे अहमद ने खिलाड़ियों को यह निर्देश जारी किया कि वे विदेशी लीग्स की बजाय घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों पर ध्यान केंद्रित करें। इस फैसले से पाकिस्तान के शीर्ष क्रिकेटर सीधे प्रभावित होंगे। इनमें बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान, फहीम अशरफ और शादाब खान शामिल हैं, जो इस साल ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलने वाले थे। इसके अलावा, हरिस राउफ और अन्य खिलाड़ी भी आईएलटी20 जैसी फ्रेंचाइजी लीग्स में जाने वाले थे। हालांकि, इन मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि PCB ने स्पष्ट नहीं किया कि एनओसी निलंबन का कारण क्या है, लेकिन क्रिकेट सर्कल में यह माना जा रहा है कि बोर्ड का यह कदम एशिया कप में टीम के खराब प्रदर्शन पर तत्काल प्रतिक्रिया है। समां टीवी के अलावा प्रो पाकिस्तानी डॉट पीके में भी यही बात बताई गई है। एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान और भारत के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। भारत ने अंतिम ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया। इस मैच में कुलदीप यादव ने पाकिस्तान के बल्लेबाजों को तहस–नहस कर दिया, जबकि तिलक वर्मा (69') और शिवम दुबे (33) की पारी ने भारत को जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत ने लगातार दूसरी बार एशिया कप का खिताब जीता।

टीम इंडिया ने एशिया कप 2025 में पाकिस्तान पर लगातार

तीन जीत हासिल की। इस हार के बाद पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान अली आगा, फहीम अशरफ और हसन अली सहित सभी खिलाड़ी लाहौर लौट गए। एशिया कप की इस शर्मनाक हार ने पीसीबी के शीर्ष अधिकारियों को कठोर कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि पीसीबी का यह कदम घरेलू क्रिकेट और राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता देने का संकेत है। पाकिस्तान में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा अवसर रहा है, लेकिन बोर्ड का संदेश साफ है– पहले देश और घरेलू क्रिकेट। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत से हार के बाद हर बार इस तरह की खबरें आती हैं, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तानी के क्रिकेट ढांचे में कोई सुधार नहीं आया है। टीम की स्थिति बिगड़ती ही जा रही है। कभी पीसीबी अध्यक्ष तो कभी टीम का कप्तान तो कभी कोच बदल दिया जाता है। खिलाड़ियों पर भरोसा जताने की जगह उन्हें टीम से बाहर कर दिया जाता है। इस बार तो पाकिस्तानियों को टीम इंडिया से एक ही टूर्नामेंट में तीन बार हार मिली। ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम में बड़े बदलाव के आसार हैं। पाकिस्तानी फैंस तो नकवी को हटाने की मांग तक कर चुके हैं। अब देखने वाली बात होगी कि एनओसी रद्द करने से खिलाड़ी बगावत करते हैं या नहीं, क्योंकि पहले भी ऐसी स्थिति बन चुकी है और तब पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने बगावत की थी। खासकर युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो सीमित अवसरों में अपना करियर चमकाना चाहते हैं, इस निलंबन से प्रभावित होंगे।

अफगानिस्तान की निर्वासित महिला क्रिकेटर भारत पहुंचीं, महिला विश्व कप का होंगी हिस्सा ?

गुवाहाटी,एजेंसी। अफगानिस्तान की महिला क्रिकेट टीम इस साल के आईसीसी महिला विश्व कप का हिस्सा नहीं है, लेकिन तालिबान के नियंत्रण के बाद अपने देश से निर्वासित 16 महिला क्रिकेटर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को देखने के लिए भारत पहुंची हैं। ये खिलाड़ी वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में शरणार्थी जीवन जी रही हैं। उन्हें विश्व कप के मैचों को देखने का निमंत्रण दिया गया ताकि उनकी क्रिकेटिंग और व्यक्तिगत विकास यात्रा को आगे बढ़ाया जा सके। वर्ष 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान की महिलाओं पर खेलों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसी कारण ये खिलाड़ी अपने देश को छोड़कर ऑस्ट्रेलिया गईं। जनवरी 2025 में इन निर्वासित क्रिकेटरों

ने 'क्रिकेट विदआउट बॉर्डर्स एकादश' के माध्यम से मेलबर्न में अपना पहला मैच खेला, जो 2021 के बाद उनका पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल था। हवाई अड्डे पर इन खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच शहर के होटल तक पहुंचाया गया। उनका यह दौरा भारत में महिला क्रिकेट को देखने और सीखने का अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम में उनकी गतिविधियों और मैच देखने के अनुभव का उद्देश्य यह है कि ये खिलाड़ी भविष्य में अफगानिस्तान और अन्य देशों की नई पीढ़ी को प्रेरित कर सकें। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मई 2025 में अफगानिस्तान की महिला क्रिकेटरों के समर्थन में पहल की। इसके तहत भारतीय क्रिकेट बोर्ड, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से एक समर्पित कार्यबल बनाया गया, जो इन खिलाड़ियों की सुरक्षा, प्रशिक्षण और विकास की निगरानी करेगा। अफगानिस्तान की ये क्रिकेटर केवल मैच देखने तक ही सीमित नहीं रहेंगी। उन्हें उम्मीद है कि विश्व कप के दौरान वे भारत की घरेलू टीमों के खिलाफ खेलकर अपनी क्षमताओं को निखार सकेंगी। यह पहल महिलाओं के खेलों में भागीदारी बढ़ाने और उनके करियर को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

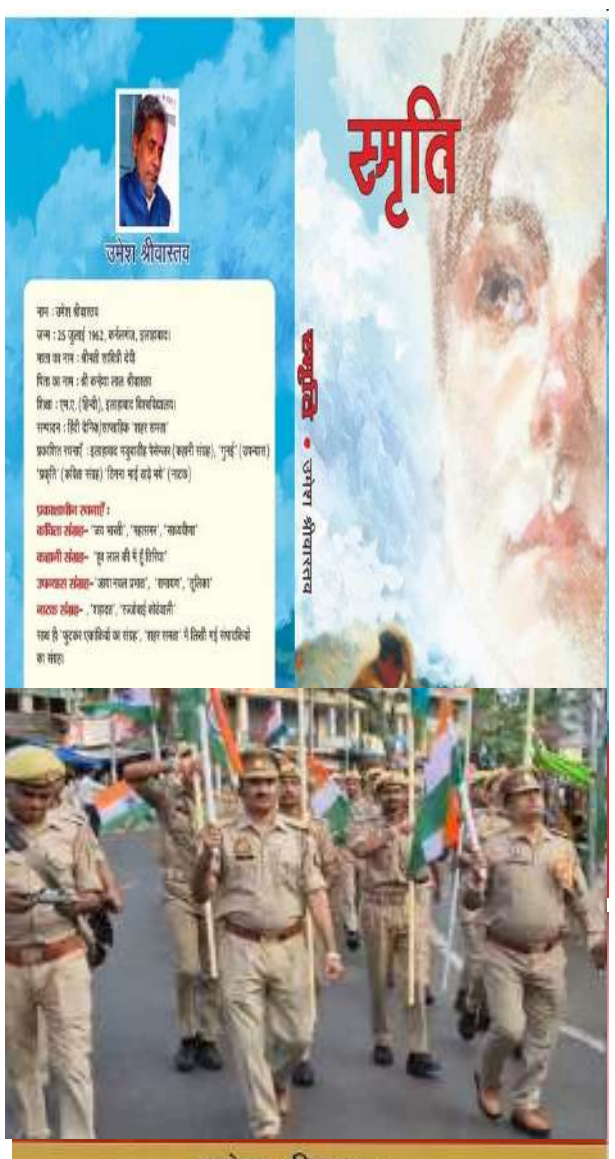

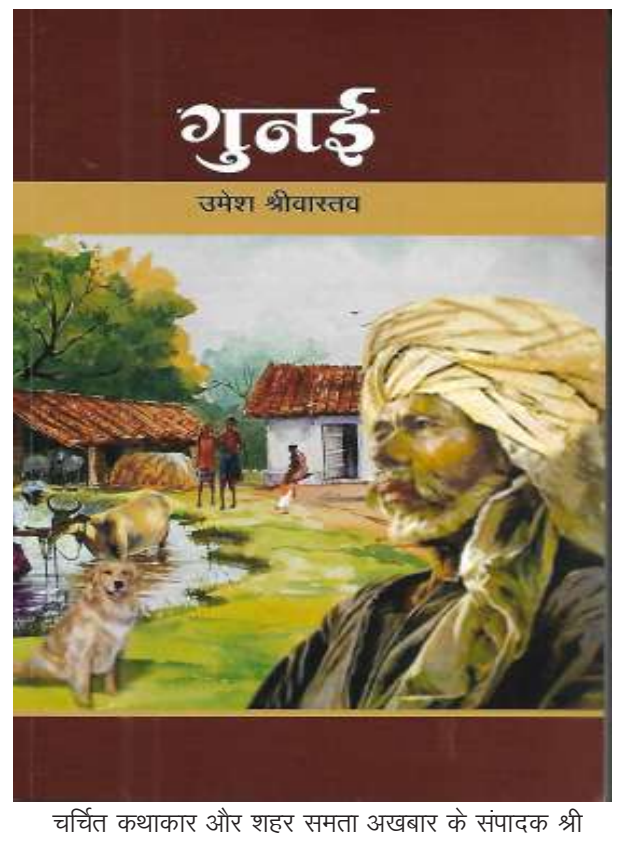

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

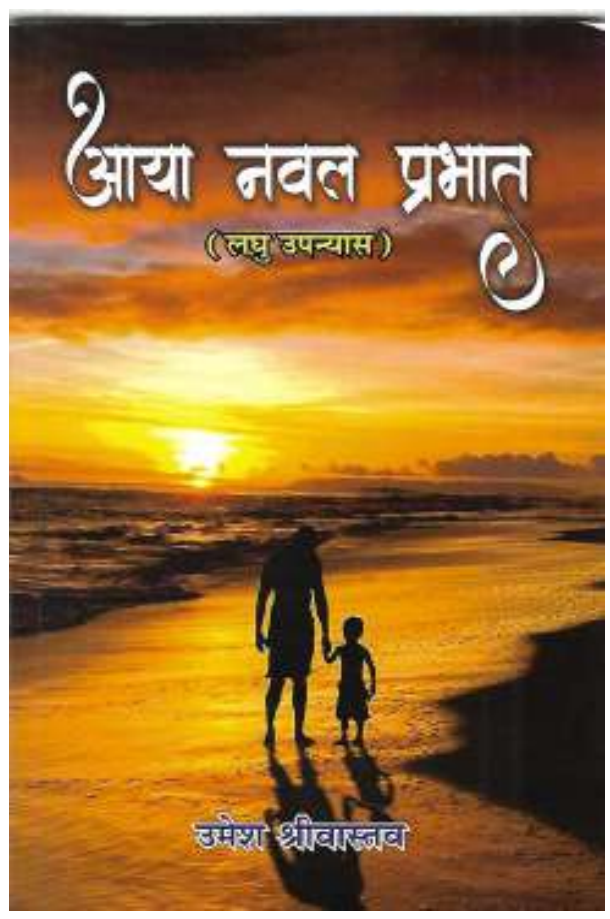

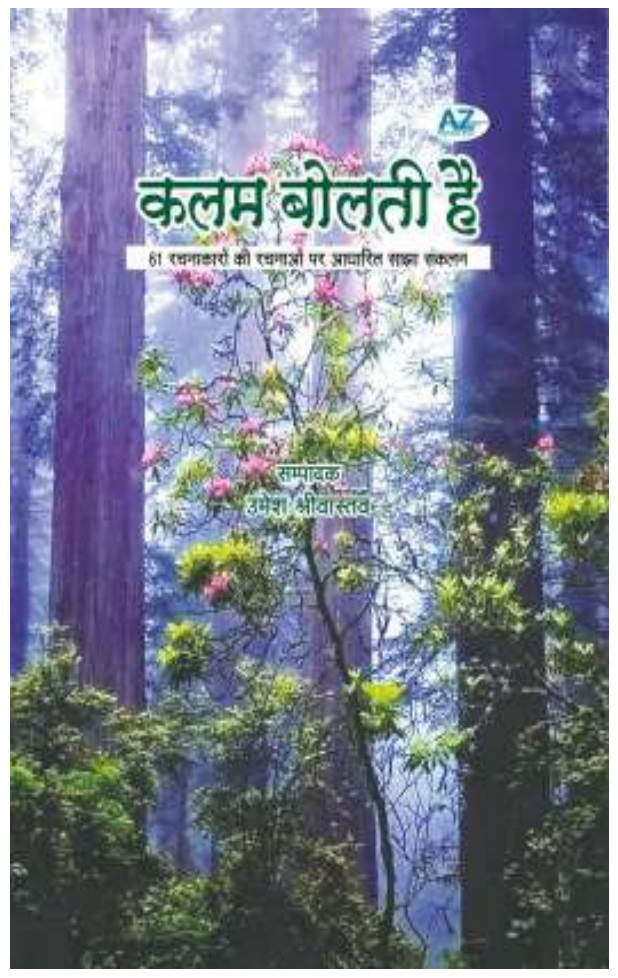

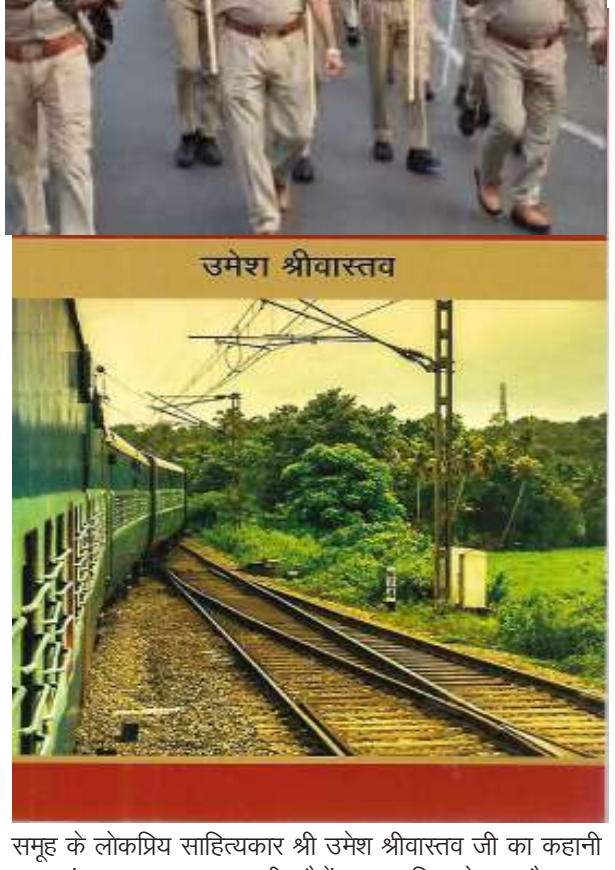

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

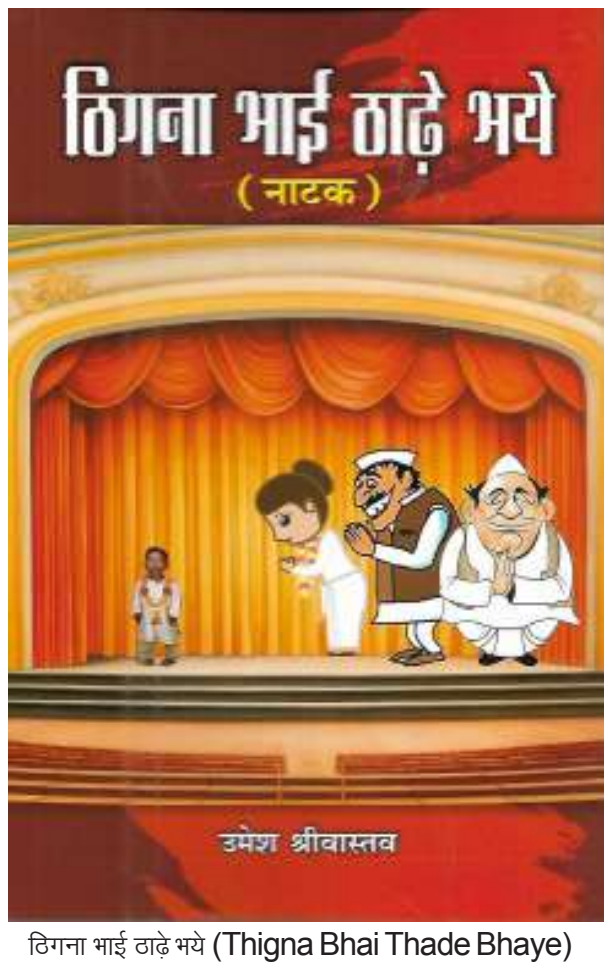

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

वियतनाम में तूफान बुआलोई के बाद भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हुई

हनोई,एजेंसी। वियतनाम में बुआलोई तूफान की वजह से लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। इससे बाढ़ के साथ–साथ कई जगहों पर भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। देश में इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है और कई लोग अब भी लापता हैं।

मंगलवार को राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने जानकारी दी कि पिछले चौबीस घंटों में वियतनाम के कुछ हिस्सों में 30 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हुई है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि भारी अभी जारी रहेगी। लंबे समय हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनसे सड़क संपर्क टूट गया और कई गांव अलग–थलग पड़ गए। ये घटनाएं उत्तर के सोन ला और लाओ काई प्रांतों से लेकर मध्य वियतनाम के न्गे आन प्रांत तक हुई हैं। बारिश और बांधों से छोड़ने के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ा, जिससे उत्तर में कई जगहों पर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं। येन बाई क्षेत्र में थाओ नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया। घरों में पानी एक मीटर तक भर गया और लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा। राजधानी हनोई की कई सड़कों पर जलभराव हो गया। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि लाल नदी के पास रहने वाले लोग सावधानी बरतें। सरकारी मीडिया ने मंगलवार को बताया कि अब भी 13 लोग लापता हैं, जिनमें आठ मछुआरे शामिल हैं। तूफान बुआलोई इससे पहले शुक्रवार से फिलीपींस में 20 लोगों की जान ले चुका है। यह तूफान सोमवार सुबह वियतनाम के तट पर पहुंचा और वहीं रुका रहा, जिससे खतरा और बढ़ गया। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण इस तरह के तूफान पहले से ज्यादा तेज हो गए हैं। गर्म महासागर इन तूफानों को ज्यादा उर्जा देते हैं, जिससे तेज हवाएं, भारी बारिश और मौसम के पैटर्न बदलते हैं, खासकर पूर्वी एशिया में।

पाकिस्तान के क्वेटा में जबरदस्त धमाका, छह की मौत और 15 से ज्यादा घायल

क्वेटा,एजेंसी। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में जबरदस्त विस्फोट हुआ है, जिसमें छह लोगों की मौत हुई है। धमाके में कई लोग घायल भी हुए हैं। क्वेटा पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी है। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य विभाग के सचिव ने बताया कि बम विस्फोट के चलते क्वेटा के अस्पतालों में आपातकाल लागू कर दिया गया है। सभी डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सों आदि को ड्यूटी पर मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, बम धमाका क्वेटा की जरगून रोड के करीब हुआ। धमाके में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर है और 15 अन्य घायल हुए हैं। बलूचिस्तान के स्वास्थ्य विभाग के मीडिया संयोजक ने बताया कि घायलों को सिविल अस्पताल समेत विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बम धमाके का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि एक व्यस्त सड़क पर अचानक तेज धमाका हुआ, जिसकी चपेट में सड़क पर मौजूद कई लोग आ गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह एक आत्मघाती धमाका है। गौरतलब है कि बीती 4 सितंबर को भी क्वेटा में एक राजनीतिक रैली के दौरान हुए बम धमाके में 15 लोगों की मौत हो गई थी और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

टेक्सास में कसीनो पार्किंग में शख्स ने की गोलीबारी, दो लोगों की मौत–कई घायल, जांच में जुटे अधिकारी

ईगल पास (टेक्सास) अमेरिका के टेक्सास के एक सीमा शहर में साप्ताहांत के दौरान एक शख्स ने कसीनो की पार्किंग में गोलीबारी की। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि आखिर उस व्यक्ति ने गोलीबारी क्यों की। आरोपी केरयान रशान जोन्स (34 वर्षीय) को शनिवार रात गोलीबारी के कुछ घंटों बाद एक ट्रैफिक स्टॉप पर गिरफ्तार किया गया। घटना किकाफू लकी ईगल कसीनों की पार्किंग में हुई थी, जो ईगल पास के नजदीक है।

पीछा करने के बाद पुलिस ने जोन्स को रविवार को सुबह स्कॉटडेल के पास पकड़ा गया। स्कॉटडेल, ईगल पास से करीब 290 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। विल्सन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने यह जानकारी दी। मैवरिक काउंटी के शेरिफ टॉम श्मरबेर के मुताबिक, दो लोगों की हत्या करने और पांच लोगों को घातक हथियार से नुकसान पहुंचाने के आरोप में जोन्स के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि जोन्स को कहां रखा गया है और क्या उसकी ओर से कोई वकील पैरवी कर रहा है या नहीं। टेक्सास के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के लेफ्टिनेंट क्रिस्टोफर ओलिवारेज ने कहा कि गोलीबारी किस वजह से हुई, इसकी अभी जांच चल रही है। टेक्सास पुलिस डिपार्टमेंट इस पूरे मामले की जांच कर रही है और उसने बताया कि जांच पूरी होने तक कसीनो बंद रहेगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ट्रंप की गाजा शांति योजना का आठ अरब- इस्लामी देशों ने किया स्वागत, कहा- यूएस की साझेदारी जरूरी

दुबई,एजेंसी। आठ अरब और मुस्लिम बहुल देशों ने मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा युद्ध को खत्म करने और क्षेत्र में शामिल बहाल करने के लिए पेश की गई 20 बिंदुओं वाली योजना का स्वागत किया। यह योजना ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई बातचीत के बाद पेश की गई थी। इसमें गाजा युद्ध को तत्काल रोकने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को 72 घंटों के भीतर रिहा करने का प्रस्ताव है। हालांकि, हमास ने अभी तक इस शांति योजना को स्वीकार नहीं किया है। जिन देशों के विदेश मंत्रियों ने इस योजना का समर्थन किया है, उनमें जॉर्डन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्किये, सऊदी अरब और मिस्र शामिल हैं। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने कहा कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए अमेरिका के साथ साझेदारी जरूरी है। संयुक्त बयान में कहा गया कि विदेश मंत्रियों ने राष्ट्रपति ट्रंपकी उस घोषणा का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने

गाजा में युद्ध समाप्त करने, गाजा में पुनर्निर्माण करने, फलस्तीनी लोगों के विस्थापन को रोकने और शांति की दिशा में आगे बढ़ने की बात कही है। इन आठ देशों ने यह भी दोहराया कि वे अमेरिका के साथ मिलकर ऐसा व्यापक समझौता चाहते हैं, जिससे गाजा में बिना किसी बाधा के पर्याप्त मानवीय मदद पहुंचाई जा सके और युद्ध का स्थायी समाधान निकले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहले इस योजना का स्वागत कर चुके हैं।

क्या है ट्रंप का 21 सूत्रीय शांति प्रस्ताव?

गाजा को आतंक मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा, ताकि वह पड़ोसी देशों के लिए कोई खतरा न बने।

गाजा का पुनर्निर्माण और विकास कार्य शुरू होगा, जिससे वहां के लोगों का जीवन बेहतर हो।

जैसे ही दोनों पक्ष इस योजना को स्वीकार करेंगे, इस्राइल तुरंत सैन्य अभियान रोक देगा और चरणबद्ध तरीके से गाजा से सेना हटाएगा।

इस्राइल के सार्वजनिक रूप से योजना स्वीकार करने के 48 घंटे के भीतर सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा।

बंधकों की रिहाई के बाद इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों, 1000 से अधिक हिरासत में लिए गए गाजावासियों और फलस्तीनियों के शवों को लौटाएगा।

जो हमास सदस्य शांतिपूर्वक साथ रहने की शपथ लेंगे, उन्हें माफी दी जाएगी। जो बाहर जाना चाहेंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता और किसी इच्छुक देश में बसने की सुविधा मिलेगी।

समझौते के बाद मानवीय सहायता गाजा में बड़े पैमाने पर भेजी जाएगी। रोजाना कम से कम 600 ट्रक राहत सामग्री पहुंचेंगे।

सहायता सामग्री का वितरण संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रिसेंट जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की तरफ से किया जाएगा।

गाजा का प्रशासन फलस्तीनी तकनीकी विशेषज्ञों के हाथों में होगा, जिसे एक अंतरराष्ट्रीय समिति की निगरानी में चलाया जाएगा।

गाजा के लिए एक आर्थिक पुनर्निर्माण योजना बनाई जाएगी, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर पैदा हों।

गाजा में विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित होगा, जहां करों में छूट और व्यापारिक सुविधाएं दी जाएंगी।

किसी भी निवासी को गाजा छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। जो बाहर जाएंगे, उन्हें वापस लौटने का अधिकार होगा।

गाजा की शासन व्यवस्था में हमास को कोई भूमिका नहीं मिलेगी और सभी आतंकी सुरंगें व सैन्य ढांचे नष्ट किए जाएंगे।

क्षेत्रीय देश यह सुनिश्चित करेंगे कि हमास और अन्य समूह समझौते का पालन करें।

अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की मदद से अस्थायी सुरक्षा बल गाजा में तैनात होंगे। ये सुरक्षा और स्थानीय पुलिस को प्रशिक्षण देंगे।

इस्राइल न तो गाजा का विलय करेगा और न ही स्थायी कब्जा।

अगर हमास प्रस्ताव को मानने में देरी करता है, तो पहले आतंक–मुक्त क्षेत्रों में यह योजना लागू होगी।

इस्राइल कतार पर हमला नहीं करेगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय गाजा संकट में कतार की मध्यस्थता की भूमिका को मान्यता देगा।

गाजा के लोगों को चरमपंथ से दूर करने के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

जब गाजा का पुनर्निर्माण और फलस्तीनी प्राधिकरण का सुधार कार्यक्रम पूरा हो जाएगा, तब भविष्य में फलस्तीनी राज्य का रास्ता खुल सकता है।

अमेरिका, इस्राइल और फलस्तीन के बीच लंबे समय तक के राजनीतिक समाधान पर बातचीत को आगे बढ़ाएगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, फिर भी साफ मुकर गए मोहम्मद यूनुसए भारत पर ही लगा दिए आरोप

वॉशिंगटन,एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। मोहम्मद यूनुस ने भारत पर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया है। साथ ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की बात से भी मोहम्मद यूनुस साफ मुकर गए हैं। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर मीडिया चौनल जीटियो के साथ बातचीत में मोहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में कोई हिंदू विरोधी हिंसा नहीं है। यूनुस ने आरोप लगाया कि फिलहाल भारत की सबसे बड़ी खासियतों में से एक फर्जी खबरें फैलाना है। गौरतलब है कि मोहम्मद यूनुस ने यह दावा ऐसे समय किया है, जब पूरी दुनिया में बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा को लेकर चिंता

जताई जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को बर्बर करार दिया था। बीते साल नवंबर में हजारों हिंदुओं ने बांग्लादेश की सड़कों पर उतरकर अंतरिम सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इंटरव्यू के दौरान मोहम्मद यूनुस कहा कि जब बगावत के बाद शेख हसीना की सरकार गिरी तो उन्हें इससे बहुत राहत और खुशी मिली। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि ऐसा कुछ हो जाएगा। यूनुस ने कहा कि जब प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम सरकार के लिए मुख्य सलाहकार के तौर पर उनके नाम का प्रस्ताव दिया तो वे खुद भी हैरान रह गए थे क्योंकि वे कभी किसी से न मिले थे और न ही उन्हें जानते थे। मोहम्मद यूनुस ने न्यूयॉर्क के एक कार्यक्रम में आरोप लगाया कि भारत पर बांग्लादेश के छात्र आंदोलन को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है और फर्जी खबरें फैलाकर शेख हसीना का समर्थन कर रहा है। मोहम्मद यूनुस ने चेतावनी दी कि कोई भी विदेशी ताकत बांग्लादेश के अंदरूनी मामलों में दखल न करे।

फरवरी 2026 से एच-1बी वीजा में बड़े बदलाव करने जा रहा अमेरिका, भारतीय पेशेवरों पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि फरवरी 2026 से पहले एच–1बी (एच–1बी) वीजा प्रक्रिया में काफी बदलाव होंगे। गौरतलब है कि ट्रंप सरकार ने एच–1बी वीजा की फीस कई गुना बढ़ाकर 100,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया है और नया शुल्क भी फरवरी 2026 से ही लागू होगा। लुटनिक ने एच–1बी वीजा पर सस्ते तकनीकी सलाहकारों के देश में आने और अपने परिवारों को लाने के विचार को बिल्कुल गलत बताया। लुटनिक ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि फरवरी 2026 में जब एच1बी वीजा की बढ़ी हुई फीस लागू होगी, तब इसमें कई बड़े बदलाव होंगे। लुटनिक ने संकेत दिए कि अमेरिकी सरकार एच1बी वीजा के तहत लॉटरी सिस्टम को खत्म कर सकती है। लुटनिक ने लॉटरी सिस्टम की आलोचना की और सवाल किया कि क्या किसी देश को लॉटरी के जरिए कुशल श्रमिकों को अपने देश में लाना चाहिए? अमेरिका के वाणिज्य मंत्री लुटनिक ने कहा कि एच–1बी लॉटरी को ठीक किया जाना चाहिए और अमेरिका को उच्च–कुशल नौकरियां केवल सबसे कुशल लोगों को ही देनी चाहिए।

लुटनिक ने कहा कि कंपनियों को ऐसे तकनीकी सलाहकारों और प्रशिक्षुओं को रखने का विचार समाप्त कर देना चाहिए जो सस्ते हों। इस बारे में मेरी राय पक्की है। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति इन मुद्दों पर मेरे साथ हैं। मेरा मानना है कि सस्ते तकनीकी सलाहकार इस देश में आएं और अपने परिवारों को भी लाएं, ये मुझे बिल्कुल गलत लगता है, और मैं इसे सही नहीं मानता हूं। माना जा रहा है कि भविष्य में अमेरिकी सरकार एच1बी वीजा के तहत सिर्फ उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को ही वरीयता दे सकती है।

शहबाज शरीफ और असीम मुनीर हमेशा हमारे साथ रहे, गाजा प्लान पर पाकिस्तान का समर्थन मिलने पर बोले ट्रंप

वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा युद्ध खत्म करने की शांति योजना का पाकिस्तान ने समर्थन किया है। ट्रंप ने इसको लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की तारीफ की। व्हाइट हाउस की ओर से से 20 बिंदुओं की शांति योजना की घोषणा की गई, जिसके बाद ट्रंप ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि यह योजना इस्राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने के मकसद से तैयार की गई है। इस प्रेस वार्ता में ट्रंप ने सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे कई अरब और इस्लामी देशों के नेताओं का आभार जताया, जिन्होंने इस योजना के लिए सुझाव दिए हैं। उन्होंने इस योजना को नए गाजा के पुनर्निर्माण के लिए एक साझा प्रयास बताया। ट्रंप ने पाकिस्तानी नेतृत्व की चर्चा करते हुए कहा, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल (जनरल असीम मुनीर) शुरुआत से ही हमारे साथ थे। उन्होंने अभी एक बयान जारी किया है कि वे इस प्रस्ताव पर पूरी तरह विश्वास रखते हैं। ट्रंप ने आगे कहा, अभी मैं घूम रहा था तभी अधिकारियों ने मुझे बताया– सर, आपके लिए एक बड़ा संदेश है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल इस योजना का सौ फीसदी समर्थनक कर रहे हैं। शहबाज शरीफ ने एक्स पर ट्रंप की इस योजना का स्वागत किया और कहा कि फलस्तीनियों और इस्राइलियों के बीच स्थायी शांति इस क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए जरूरी है। अगर इस्राइल और हमास दोनों ट्रंप की इस योजना पर सहमत होते हैं, तो युद्ध तत्काल खत्म हो जाएगा। योजना के मुताबिक, दोनों पक्ष बंधकों को रिहा करेंगे और हमास को पूरी तरह निरस्त्र किया जाएगा। इसके बाद इस्राइली सेना गाजा से पीछे हटेगी और सभी सैन्य अभियान रोक दिए जाएंगे। इस योजना के स्वीकार करने के बाद इस्राइल 72 घंटों के भीतर सभी बंधकों को वापस लेगा, चाहे वे जीवित हों या मृत।

स्कूल इमारत ढहने से मलबे में दबे दर्जनों बच्चे, एक की मौत, 12 घंटे बाद भी बचाव कार्य जारी

जकार्ता,एजेंसी। इंडोनेशिया में एक स्कूल इमारत के ढहने से दर्जनों बच्चे मलबे में फंस गए हैं। एक बच्चे की हादसे में मौत हो गई है। हादसे को 12 घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक राहत और बचाव कार्य पूरा नहीं हो सका है। मलबे में फंसे छात्रों को बचावकर्मियों द्वारा पानी और ऑक्सीजन पहुंचाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मलबे में अभी भी 65 लोगों के दबे होने की आशंका है। घटना इंडोनेशिया के पूर्वी जावा के सिदोअर्जो शहर के अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल में हुई। कई घंटों के बचाव कार्य के बाद मलबे से आठ छात्रों को निकाला गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बचावकर्मियों ने मलबे में कई शव देखने का दावा किया है, जिससे आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल बचावकर्मी जीवित लोगों को जल्द से जल्द मलबे से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। छात्रों के परिजन मौके पर मौजूद हैं और अपने बच्चों की खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई परिजन रोते–बिलखते देखे गए। लापता 65 छात्रों में से अधिकतर सातवीं से 11वीं कक्षा के छात्र हैं, जिनकी उम्र 12 साल से लेकर 17 साल के बीच है। खोज और बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि कंक्रीट के भारी स्लैब और अन्य मलबे के चलते बचाव कार्य बाधित हो रहा है।

उन्होंने बताया कि बचाव कार्य के लिए भारी उपकरणों का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है क्योंकि भारी उपकरणों से ढहा हुआ मलबा और ढह सकता है। यही वजह है कि बचाव कार्य में देरी हो रही है।

प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छात्र एक इमारत में दोपहर की प्रार्थना कर रहे थे, उसी दौरान इमारत गिर गई।

उन्होंने बताया कि स्कूल इमारत का अनधिकृत विस्तार किया जा रहा था।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक 13 वर्षीय छात्र की मौत हो गई और 99 अन्य छात्र घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

अधिकारी इमारत के ढहने के कारणों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि पुराना प्रार्थना कक्ष दो मंजिला था, लेकिन बिना अनुमति के दो और मंजिलें बनाई जा रही थीं।

पुरानी इमारत की नींव कंक्रीट की दो मंजिलों का वजन नहीं संभाल पाई और ढह गई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।